

छत्तीसगढ़
माध्यमिक शिक्षा
मण्डल रायपुर
द्वारा निर्मित प्रश्न बैंक
2022-23

कक्षा 11



विषय हिंदी

खण्ड (अ)

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(1) उत्साह की गिनती अच्छे गुणों में होती है। किसी भाव के अच्छे या बुरे होने का निश्चय अधिकतर उसकी प्रवृत्ति के शुभ या अशुभ परिणाम के विचार से होता है। वही उत्साह जो कर्तव्य कर्मों के प्रति इतना सुंदर दिखाई पड़ता है। अकर्तव्य कर्मों की ओर होने पर वैसा लाध्य नहीं प्रतीत होता। आत्मरक्षा पर रक्षा देश रक्षा आदि के निमित्त साहस कि जो उमंग देखी जाती है उसके सौंदर्य तक परपीड़न डकैती आदि कर्मों का साहस कभी नहीं पहुंच सकता। यह बात होते हुए भी विशुद्ध उत्साह या साहस की प्रशंसा संसार में थोड़ी बहुत होती ही है पुणे अत्याचारियों या डाकूओं के शौर्य और साहस की कथाएं भी लोग तारीफ करते हुए सुनते हैं। अब तक उत्साह का प्रधान रूप ही हमारे सामने रहा जिसमें साहस का पूरा योग रहता है पर कर्म मात्र के संपादन में जो तत्परता पूर्ण आनंद देखा जाता है यह भी उत्साह ही कहा जाता है सब कामों में साहस अपेक्षित नहीं होता, पर थोड़ा बहुत आराम विश्राम सुभीते इत्यादि का त्याग सब में करना पड़ता है और कुछ नहीं तो उठ कर बैठना खड़ा होना या 10-5 कदम चलना ही पड़ता है। जब तक आनंद का लगाव किसी क्रिया व्यापार या उसकी भावना के साथ नहीं दिखाई पड़ता तब तक उसे उत्साह की संज्ञा प्राप्त नहीं होती यदि किसी प्रिय मित्र के आने का समाचार पाकर हम चुपचाप ज्यों के त्यों आनंदित होकर बैठे रह जाए यह थोड़ा हंस भी दे तो यह हमारा उत्साह नहीं कहा जाएगा हमारा उत्साह तभी कहा जाएगा जब हम अपने मित्र का आगमन सुनते ही उठ खड़े होंगे उससे मिलने के लिए उठ दौड़ पड़ेंगे और उसके ठहरने आदि के प्रबंध में प्रसन्न मुख इधर उधर आते जाते दिखाई देंगे प्रयत्न और कर्म संकल्प उत्साह नामक आनंद के नित्य लक्षण है। प्रत्येक कर्म में थोड़ा बहुत बुद्धि का भी योग है। कुछ कर्मों में तो बुद्धि की तत्परता और शरीर की तत्परता दोनों बराबर साथ साथ चलती है उत्साह की उमंग जिस प्रकार हाथ पैर चलवाती है उसी प्रकार बुद्धि से भी काम कराती है। ऐसे उत्साह वाले को कर्मवीर कहना चाहिए या बुद्धि वीर। यह प्रश्न 'मुद्राराक्षस' नाटक बहुत अच्छी तरह हमारे सामने लाता है। चाणक्य और राक्षस के बीच जो चोटें चली है वे नीति की है –शास्त्र की नहीं।

1. अवतरण उचित शीर्षक लिखिए।
2. प्रसन्न मुख का समास विग्रह कर प्रकार लिखिए
3. किसी भाव का अच्छा या बुरा होना किस पर निर्भर होता है?
4. प्रत्येक कर्म में किसका योग रहता है?





5. चाणक्य और राक्षस के बीच किस प्रकार की चोटे चली थी?
6. उत्साह नामक आनंद के नित्य लक्षण क्या है?
7. उत्साह में सबसे अधिक योगदान किसका रहता है?

(2) आज की मौत कल पर ढकेलते ढकेलते एक दिन ऐसा आ जाता है कि उस दिन मरना ही पड़ता है। यह प्रसंग उन पर नहीं आता जो मरण से पहले मर लेते हैं। जो अपना मरण आंखों से देखते हैं, जो मरण का अगाऊ अनुभव कर लेते हैं उनका मरण है। और जो मरण के अगाऊ अनुभव से जी चुराते हैं, उनकी छाती पर मरण आ पड़ता है। सामने खंभा है यह बात अंधे को उस खंभे का छाती में प्रत्यक्ष धक्का लगने के बाद मालूम होती है। आंख वाले को यह खंम्भा पहले ही दिखाई देता है अतः उसका धक्का उसकी छाती को नहीं लगता जिंदगी की जिम्मेदारी कोई गिरी मौत नहीं है और मौत कौन ऐसी बड़ी मौत है जीवन और मरण दोनों आनंद की वस्तु होनी चाहिए कारण अपने परम प्रिय पिता ने ईश्वर ने वह हमें दिए हैं ईश्वर ने जीवन दुख में नहीं रचा पर हमें जीवन जीना आना चाहिए कौन पीता है जो अपने बच्चों के लिए परेशानी की जिंदगी चाहेगा? 30 पर ईश्वर के प्रेम और करुणा का कोई पार है वह अपने लाडले बच्चे के लिए सुखमय जीवन का निर्माण करेगा की परेशानियों और झंझटों से भरा जीवन रचेगा? कल्पना की क्या आवश्यकता है प्रत्यक्ष ही देखिए ना हमारे लिए जो चीज जितनी जरूरी है उसकी उतनी ही सुलभता से मिलने का इंतजाम ईश्वर की ओर से है पानी से हवा ज्यादा जरूरी है तो ईश्वर ने हवा को अधिक सुलभ किया है जहां नाक है वहां हवा मौजूद है पानी से अन्न की जरूरत कम होने की वजह से पानी प्राप्त न होने की स्थिति में अन्न प्राप्त करने में अधिक परिश्रम करना पड़ता है आत्मा सबसे अधिक महत्व की वस्तु होने के कारण यह हर एक को हमेशा के लिए दे डाली गई है ईश्वर की ऐसी प्रेम पूर्ण योजना है इसका ख्याल ना कर के हम निकम्मे जड़ जवाहरात जमा करने में इतने जड़ बन जाए उतनी तकलीफ हमें होगी पर यह हमारी जड़ता का दोष है ईश्वर का नहीं

1. जिम्मेदारी एवं अभाव में उपसर्ग प्रत्यय छांटकर लिखिए।
2. अवतरण का उचित शीर्षक लिखिए।
3. जीवन और मरण कैसे होने चाहिए ?
4. हमारी तकलीफों का जिम्मेदार कौन है ?
5. जीवन के लिए आवश्यक सुख—दुख कौन प्रदान करता है ?
6. हमारे दुख किसका परिणाम है ?
7. सबसे अधिक महत्वपूर्ण वस्तु क्या है वह किसे और कहाँ से प्राप्त होती है?





(3) साधारणतः सत्य का अर्थ सच बोलना मात्र ही समय का जाता है, परन्तु गांधी जी ने व्यापक अर्थ में सत्य शब्द का प्रयोग किया है। विचार में वाणी में और आचार में उसका होना ही सत्य माना जाता है। गांधी जी के विचार में जो सत्य को इस विशाल अर्थ में समझ ले उसके लिए जगत में और कुछ जानना शेष नहीं रहता। परन्तु इस सत्य को पाया कैसे जाए? गांधी जी ने इस संबंध में अपने विचार इस प्रकार व्यक्त किया है – एक के लिए जो सत्य है, वह दूसरे के लिए असत्य हो सकता है। इसमें घबराने की बात नहीं है। जहाँ शुद्ध प्रयत्न है, वहाँ भिन्न जान पड़ने वाले सब सत्य एक ही पेड़ के असंख्य भिन्न दिखाई देने वाले पत्तों के समान हैं। परमेश्वर ही क्या हर आदमी को भिन्न दिखाई नहीं देता? फिर भी हम जानते हैं, कि वह एक ही है। पर सत्य नाम ही परमेश्वर का है। अतः जिसे जो सत्य लगे तदनुसार वह बरते तो उसमें दोष नहीं। इतना ही नहीं, बल्कि वही कर्तव्य है। फिर उसमें भूल होगी भी तो सुधर जायेगी, क्योंकि सत्य की खोज के साथ तत्पश्चर्या होती है अर्थात् आत्मकष्ट सहन की बात होती है उसके पीछे मर मिटना होता है। अतः उसमें स्वार्थ की तो गंध तक नहीं होती। ऐसी निःस्वार्थ खोज में लगा हुआ आज तक कोई अंत पर्यंत गलत रास्ते पर नहीं गया। भटकते ही वह ठोकर खाता है और सीधे रास्ते पर चलने लगता है।

ऐसे ही अहिंसा वह स्थूल वस्तु नहीं है जो आज हमारी दृष्टि के सामने है किसी को न मारना इतना तो है ही। कुविचार मात्र हिंसा है, उतावली हिंसा है। मिथ्या भाषण हिंसा है। द्वेष हिंसा है। किसी का बुरा चाहना हिंसा है। जगत के लिए जो आवश्यक वस्तु है, उस पर कब्जा रखना भी हिंसा है।

इतना हमें समझ लेना चाहिए कि अहिंसा के बिना सत्य की खोज असंभव है। अहिंसा और सत्य ऐसे ओत प्रोत हैं जैसे सिक्के के दोनो रुख। इसमें किसे उल्टा कहें किसे सीधा। फिर भी अहिंसा को साधन और सत्य को साध्य मानना चाहिए। साधन अपने हाथ की बात है। हमारे मार्ग में चाहे जो भी संकट आये, चाहे जितनी हार होती दिखाई दे हमें विश्वास रखना चाहिए कि जो सत्य है वही एक परमेश्वर है। जिसके साक्षात्कार का एक ही मार्ग है और एक ही साधन है – वह है अहिंसा उसे कभी न छोड़ेंगे।

1. उपयुक्त गद्यांश को एक उचित शीर्षक लिखिए।
2. उपसर्ग एवं प्रत्यय अलग – अलग कर लिखिए – निःस्वार्थ व्यापक
3. गांधी जी ने किन बातों एवं व्यवहारों को हिंसा माना है?
4. अहिंसा सत्य की प्राप्ति में साधन कैसे है?
5. सत्य की खोज में लगा हुआ व्यक्ति गलत रास्ते पर क्यों नहीं जा सकता?
6. गांधी जी ने किन बातों एवं व्यवहारों को हिंसा माना है?
7. जो एक के लिए सत्य है वह दूसरे के लिए असत्य हो सकता है। इस बात का गांधी जी ने कैसे समझाया है?





प्रश्न 2. निम्न लिखित अपठित काव्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1. इस समाधि में छिपी हुई हैं, एक राख की ढेरी।
जलकर जिसने स्वतंत्रता की, दिव्य आरती फेरी।
यह समाधि, यह लघु समाधि है, झांसी की रानी की”
अंतिम लीला स्थली यही हैं, लक्ष्मी मरदानी की।।
यही कही पर बिखर गई वह, भग्न विजय – माला – सी।
उसके फूल यहाँ संचित हैं, हैं वह स्मृति – शाला – सी।।
सहे वार पर वार अंत तक, लड़ी वीर बाला – सी।
आहुति – सी गिर चढ़ी चिता पर, चमक उठी ज्वाला – सी।।
बढ़ जाता हैं मान वीर का रण में बलि होने से।
मूल्यवती होती सोने की, भस्म यथा सोने से।।
रानी से भी अधिक हमें अब यह समाधि हैं प्यारी।
यहाँ निहित हैं स्वतंत्रता की, आशा की चिंगारी।।



1. उक्त पंक्तियों में कवि किसकी समाधि की बात कर रहे हैं?
2. वीरांगना को मरदानी क्यों कहा गया हैं?
3. “यही कही पर बिखर गई वह, भग्न विजय – माला – सी। पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।
4. विजय – माला – सी में कौन – सा अलंकार हैं?
5. बुन्देले हर बोलो के मुँह हमने सूनी कहानी थी, खूब लड़ी मरदानी वह तो, झांसी वाली रानी।
इस पंक्ति में कौन – सा रस हैं?
6. वीर का मान कब बढ़ जाता हैं?



2. कविताओं में
पेड़ – चिड़िया फूल पौधे
और मौसम का अब जिक्र नहीं होता
कविताओं में होते हैं
संवेदन हीन लोग
जो धन के बल पर
सच – झूठ को नकारते हुए
जीवन जी रहे हैं।
कविताएँ सदा सच बोलती हैं
झूठ का भंडा फोड़ती हैं



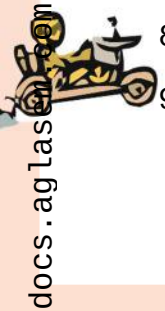


और सच यह है कि आज का मानव
छल से, बल से लूट रहा हैं।
उसने काट डाले हैं
सारे के सारे वन – उपवन
धरती का चप्पा – चप्पा
पर गया हैं भवनों से।
और लोगो ने ड्राइंग रूप में लगा दी हैं
बीना साइज प्रजातियाँ पौधो की और सजा दी हैं असंख्य पक्षियों की
कृत्रिम आकृतियाँ
केलेंडर – पेंटिंग्स के रूप में
जिन्हे देखकर
बच्चे पूछते होंगे—
कैसे होते हैं
विशाल काय पेड़
चिड़िया कैसे चहचहाती हैं?
आकाश इतना खाली क्यों हैं?
पार्क इतने निर्वस्त्र क्यों?
हवाएं सहमी— सहमी हैं,
बादल क्यों नहीं बरसते?
तब तुम्हारा उत्तर क्या होगा?
मैं तुम्हीं से पूछता हूँ।
तुम्हारे ड्राइंग रूम की चिड़िया
पौधो की किस्में
प्लास्टिक के फूल
खोज पाएँगे इन सभी
प्रश्नो का समाधान ?



- (क) कवि की दृष्टि में अब कविताओं में किन बातों की चर्चा नहीं होती हैं?
- (ख) आज का मानव छल – बल से किसे लूट रहा हैं और क्यों?
- (ग) ड्राइंग रूम को देखकर बच्चों की जिज्ञासा का कारण आप क्या मानते हैं?
- (घ) तब तुम्हारा उत्तर क्या होगा ? बताइए ऐसी स्थिति में आप का उत्तर क्या होगा?
- (ङ) किन पंक्तियों का संकेत बिगड़ते पर्यावरण की ओर हैं?
- (च) उक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।





3. निर्मम कुम्हार की थापी से
कितने रूपों में कुटी- पिटी,
हर बार बिखेरी गई किंतु
मिट्टी फिर भी तो नहीं मिटी।
आशा में निरछल पल जाए, छलना में पड़कर छल जाए,
सूरज दमके तो तप जाए, रजनी ठुमके तो ढल जाए
या तो बच्चों की गुड़िया – सी भोली मिट्टी की हस्ती क्या –
आंधी आए तो उड़ जाए, पानी बरसे तो गल जाए।
फसले उगती, फसले कटती लेकिन धरती चिर उर्वर हैं।
सौ बार वने, सौ बार मिटे लेकिन मिट्टी अविनश्वर हैं।
मिट्टी गल जाती पर उनका विश्वास अमर हो जाता हैं।

1. उक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
2. मिट्टी को गुड़िया –सी भोली क्यों बताया गया हैं।
3. मिट्टी फिर भी तो नहीं मिटी का भाव स्पष्ट कीजिए।
4. मिट्टी को अविनश्वर क्यों कहा गया हैं?
5. कुम्हार मिट्टी को किन – किन रूपों में ढालता है?
6. कवि ने कुम्हार को निर्मम क्यों कहा हैं?

खण्ड (ख)

प्रश्न 3. निबंध लेखन –

(अंक-8)

1. नारी शिक्षा।
2. शिक्षित बेरोजगारी।
3. ऑनलाइन शिक्षा का छात्रों पर प्रभाव।
4. छत्तीसगढ़ का पर्यटन स्थल।
5. मोबाइल कांति।
6. गाँव की उन्नति के उपाय।
7. मदिरापान: एक सामाजिक कलंक।
8. राष्ट्र सेवा – राष्ट्र धर्म।
9. पुस्तकों का महत्व।



10. मेरे जीवन का लक्ष्य।
11. समय नियोजन।
12. स्वस्थ जीवन सुखद जीवन।
13. दिन – दिन बढ़ती हुई मंहगाई।
14. मेरा गाँव सबसे प्यारा।
15. विद्यालय में स्वच्छता अभियान।
16. वैश्विक महामारी कोरोना का सामाजिक प्रभाव।
17. स्वच्छता विकास का प्रतिक हैं।
18. दहेज नारी शक्ति का अपमान।
19. विद्यालय में स्वास्थ्य शिक्षा।
20. मेक इन इंडिया।

प्रश्न 4.

कार्यालयीन पत्र

1. सचिव माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर को कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षा की अंक सूची की द्वितीय प्रति प्राप्त करने के लिए एक आवेदन पत्र लिखिए।
2. आप विनोद राव कक्षा 11वीं के विद्यार्थी हैं आपकी माता जी का ऑपरेशन होना है। अस्पताल में उनकी देखभाल के लिए आपको 15 दिन का अवकाश चाहिए। अपने विद्यालय के प्राचार्य को अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।
3. आप सार्थक शर्मा हैं और कक्षा 11वीं के विद्यार्थी हैं। अपने परिवार के साथ आपको 5 दिन के लिए भ्रमण पर जाना है। अपने विद्यालय के प्राचार्य को 5 दिन के अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।
4. अपने राज्य के परिवहन मंत्री को एक पत्र लिखिए जिसमें आपकी गाँव तक नया बस मार्ग आरंभ कराने का अनुरोध हो।
5. सार्वजनिक उद्यानों की समुचित सफाई न होने पर सफाई कर्मचारियों की शिकायत करते हुए नगर निगम के अधिकारी को एक पत्र लिखिए।
6. अपने विद्यालय के प्राचार्य को शाला शुल्क मुक्ति हेतु आवेदन पत्र लिखिए।
7. अपने क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की बिगड़ती हुई स्थिति पर दैनिक पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।



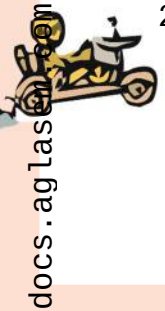
8. सड़को की दुर्दशा पर चिंता प्रकट करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष को पत्र लिखिए।
9. अपने विद्यालय के प्राचार्य को तीन दिन के अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।
10. बुस्टर डोज कोरोना टीकाकरण की कमी की समस्या का ध्यान आकर्षित करते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखिए।

प्रश्न 5. जनसंचार माध्यम एवं पत्रकारिता के विविध आयाम

(अंक – 4)



1. संचार किसे कहते हैं?
2. किन्ही दो संचार माध्यम का नाम लिखिए।
3. संचारक की क्या भूमिका होती है?
4. डिक्कोडिंग (कूटवाचन) किसे कहते हैं?
5. "फीडबैक" का महत्व लिखिए।
6. शोर से क्या आशय है।
7. संचार के किन्ही दो प्रकारों का नाम लिखिए।
8. एनकोडिंग क्या है?
9. सांकेतिक संचार किसे कहते हैं?
10. समूह संचार का क्या आशय है?
11. जन संचार से आप क्या समझते हैं।
12. जन संचार की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।
13. पत्रकारिता किसे कहते हैं?
14. जन संचार की कोई दो कार्य लिखिए।
15. पत्रकारिता के विविध आयामों का नाम लिखिए।
16. 'कार्टून कोना' क्या है?
17. पत्र कारिता के किन्ही दो प्रकारों का नाम लिखिए।
18. वॉचडाग पत्रकारिता क्या है?
19. पेज थ्री पत्र कारिता किसे कहते हैं?
20. संपादकीय क्या है?
21. किन्ही साहित्य के दो पत्रकार का नाम लिखिए।
22. अंतर वैयक्तिक संचार से क्या आशय है?





प्रश्न 6. फीचर लेखन

(अंक-3)



1. बालिका शिक्षा का महत्व।
2. विश्व में खाद्य संकट।
3. योग गुरु भारत।
4. पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव।
5. पढ़ई तुहर दुवार।
6. प्राण वायु देते वृक्ष।
7. कटता जंगल बढ़ता प्रदूषण।
8. नियमित दिनचर्या।
9. निरोगी काया सुख का आधार।
10. महंगाई का कारण।
11. प्रकृति के रखरखाव के प्रति उदासीन आधुनिक मानव।
12. स्वच्छता अभियान।
13. भारतीय युवा कैसे करे देश सेवा।

प्रश्न 7. रिपोर्ट लेखन (प्रतिवेदन)

(अंक-3)



1. अपने विद्यालय में 14 नवम्बर (बाल दिवस) पर विभिन्न आयोजन हुए उस पर एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए।
2. 14 सितम्बर को विद्यालय में हिन्दी दिवस मनाया गया। इस संदर्भ में सभा के आयोजन का संक्षिप्त प्रतिवेदन लिखिए।
3. विद्यालय में 20 अगस्त 2022 को इको – क्लब का गठन हुआ उस पर प्रतिवेदन लिखिए।
4. अपने एक दिन के क्रियाकलापों पर प्रतिवेदन लिखिए।
5. विद्यालय के वार्षिकोत्सव पर प्रतिवेदन लिखिए।
6. अपने गाँव के बाजार पर प्रतिवेदन लिखिए।
7. आपके विद्यालय में बाल मेलों का आयोजन हुआ जिसमें पूर्व माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थी ने भी भाग लिया पर प्रतिवेदन लिखिए।
8. विद्यालय में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के लिए सावन की हरियाली विषय पर कवि दरबार का आयोजन किया गया का प्रतिवेदन लिखिए।





प्रश्न 8. आलेख लेखन

(अंक-3)



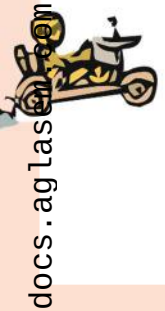
1. ग्रामीण जीवन।
2. गुम होता बचपन।
3. महानगर की ओर पलायन की समस्या।
4. अद्भूत खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर।
5. मोबाईल सुविधा या असुविधा।
6. संतुलित जीवन शैली।
7. गाँव की संस्कृति।
8. संयुक्त परिवार।
9. वर्तमान युवा पीढ़ी में भोगवादी संस्कृति।
10. कोरोना महामारी के साथ जीवन।
11. आँखों देखी दुर्घटना।
12. 20-20 क्रिकेट।
13. इंटरनेट पर समाचार।
14. स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव।
15. गाँवों में फैशन की दस्तक।
16. करो योग रहो निरोग।



प्रश्न 9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(i) संतो देखत जग बौराना।

साँच कहौ तो मारन धावै, झूठे जग पतियाना।।
नेमी देखा धरमी देखा प्रातः करै असनाना।
आतम मारि पखा नहिं पूजै उनमें कछु नहिं साना।
बहुतक देखा पीर औलिया पढ़े कितेब कुराना
कै मुरीद तद्दीर बतावैं उनसे उठै जो साना।
आसन मारि डिंभ धरि बैठे, मन में बहुत गुमाना।।
पीपर पाथर पूजन लागे तीरथ गर्व भुलाना





1. कवि ने किन किन धर्मों पर कटाक्ष किया है और क्यों?
2. लोग कबीर दास जी (कवि) को मारने क्यों दौड़ते हैं ?
3. पीपर पाथर पूजन में कौन सा अलंकार है?



(ii) प्रतिक्षण नूतन वेश बनाकर रंग बिरंग निराला ।

रवि के सम्मुख थिरक रही है नभ में वारिद माला
नीचे नील समुद्र मनोहर ऊपर नील गगन है
धन पर बैठे बीच में बिचरु यही चाहता मन है

1. कवि किसके रूप पर मोहित है और क्यों?
2. रवि के सामने कौन नृत्य कर रहा है?
3. कवि के मन में क्या चाहत है?



(iii) निकल रहा है जलनिधि तल पर दिनकर बिंब अधूरा

कमला के कंचन मंदिर का मानो कांत कांगूरा
लाने को निज पुण्य-भूमि पर लक्ष्मी की असवारी
रत्नाकर ने निर्मित कर दी स्वर्ग सड़क अति प्यारी ।।

1. मंदिर का कांत कांगूरा किसे कहा गया है?
2. स्वर्ण सड़क का निर्माण किसने किसके लिए किया है?
3. कवि ने प्रकृति के किस काल का मनोहारी चित्रण किया है?



(iv) उससे ही विमुग्ध हो नभ में चन्द्र विहँस देता है ।

वृक्ष विविध पत्तों पुष्पो से तन को सज लेता है ।
पक्षी हर्ष संभाल न सकते मुग्ध चहक उठते हैं ।
फूल सांस लेकर सुख की सानंद महक उठते हैं ।

1. चंद्रमा क्यों प्रसन्न हो उठता है?
2. वृक्षों ने अपने रूप को कैसे साँवारा है?
3. पक्षी अपनी खुशियाँ कैसे व्यक्त कर रहे हैं?





(v) कैसी मधुर मनोहर उज्ज्वल है यह प्रेम—कहानी
जी में है अक्षर बन इसके बन्नों विश्व की बानी
स्थिर पवित्र आनंद प्रवाहित सदा शांति सुखकर है
अहा! प्रेम का राज्य परम सुंदर, अतिशय सुंदर है

1. प्रेम कहानी की क्या विशेषता हैं?
2. प्रकृति की प्रेम लीला को देख कर पथिक क्या सोचता हैं?
3. प्रेम का राज्य कैसा प्रतीत होता हैं।

(vi) अंधकार की गुफा सरीखी
उन आंखों से डरता है मन,
भरा दूर तक उनमें दारुण
दैन्य दुख का नीरव रोदन!

1. उपर्युक्त पद्यांश में कवि ने किसकी दुर्दशा का चित्रण किया है?
2. कवि किसकी आंखों में झांकने से डरता है?
3. नीरव रोदन कौन और क्यों करता है?

(vii) लहराते वे खेत दृगों में
हुआ बेदखल वह अब जिनसे
हँसती थी उनसे जीवन की
हरियाली जिनसे तून तून से!

1. किसान को किससे बेदखल कर दिया गया?
2. प्रस्तुत काव्यांश कहाँ से अवतरित है? इसके रचयिता कौन है?
3. अतीत में किसान का जीवन कैसा था?

(viii) बिना दवा दर्पण के धरनी
स्वरग चली आँखे आती भर
देख रेख के बीना दुधमुँही
बिटिया दो दिन बाद गई मर!

1. किसान के घर में कौन सी दुखद घटना घटी?
2. लक्ष्मी कौन थी उसे पति घातीन क्यों कहाँ है?
3. किसान की दुधमुँही बेटियाँ कैसे मर गईं?





(xi) खैर, पैर की जूती जोरु
न सही एक, दूसरी आती
पर जवान लड़के की सुध कर
साँप लौटते, फटती छाती।

1. काव्यांश में पैर की जूती किसे कहा गया है और क्यों?
2. जवान बेटे का ख्याल आने पर किसान की दशा कैसी हो जाती है?
3. पैर की जूती मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए?



(x) आज पानी गिर रहा है, बहुत पानी गिर रहा है।
रात भर गिरता रहा है, प्राण मन धिरता रहा है।
बहुत पानी गिर रहा है, घर नजर में तिर रहा है।
घर कि मुझसे दूर है, जो घर खुशी पूर है जो।

1. कवि ने इस कविता का सृजन कहाँ करता है
2. कवि की नजरों में किसकी यादें तैरने लगती है
3. कवि की अपने घर के बारे में कैसी कल्पना है?



(xi) और माँ बिन-पढ़ी मेरी, दुख में वह गढ़ी मेरी,
माँ की जिसकी गोद में सिर, रख लिया तो दुख नहीं फिर,
माँ की जिसकी स्नेह धारा, का यहाँ तक भी पसारा,
उसे लिखना नहीं आता, जो कि उसका पत्र पाता,

1. कवि के जेल प्रवास के दौरान उनकी माँ उनकी खोज खबर क्यों नहीं लेती है?
2. कवि ने माँ की गोद की क्या विशेषता बताई है?
3. कवि ने अपनी माँ के विषय में क्या बताया है?



(xii) चार भाई चार बहिनें, भुजा भाई प्यार बहिनें।
खेलते या खड़े होंगे, नजर उनको पड़े होंगे।
पिता जी जिनको बुढ़ापा, एक क्षण भी नहीं आया।
रो पड़े होंगे बराबर, पाँचवी का नाम लेकर।





1. कवि के कितने भाई बहन हैं? उनकी क्या विशेषताएं हैं।
2. एक क्षण के लिए भी बुढ़ापा किसके समीप तक भी नहीं आ सका है?
3. पाँचवा कौन है? उसे याद कर कौन रो पड़ा?

(xiii) किंतु उनसे यह न कहना, उन्हें देते धीर रहना,
 उन्हें कहना लिख रहा हूँ, उन्हें कहना पढ़ रहा हूँ,
 काम करता हूँ कि कहना, नाम करता हूँ कि कहना
 चाहते हैं लोग कहना, मत करो कुछ शोक कहना

1. कवि किससे किस को धीर रखने का संदेश दे रहा है?
2. कभी शोक न करने की बात किसके लिए कहा है?
3. कवि का व्यवहार जेल में कैसा है?

(xiv) सबसे खतरनाक वह दिशा होती है

जिसमें आत्मा का सूरज डूब जाए
 और उसकी मुर्दा धूप का कोई टुकड़ा
 आपके जिस्म से पूरब में चुक जाए

1. आत्मा का सूरज डूबने से कवि का क्या अभिप्राय है?
2. मुर्दा धूप का कोई टुकड़ा पर कैसा व्यंग है
3. काव्यांश का शीर्षक एवं रचयिता का नाम लिखिए

(xv) प्रभु जी तुम संगीत सरन तिहारी। जगजीवन राम मुरारी।।

गली-गली को जल बही आयो सुरसरि जाए समायो
 संगति के परताप महातम नाम गंगोदक पायो
 स्वाति बूँद बरसे फल ऊपर सोई विज होई लाई
 ओही बूँद के मोती निपजैं संगति की अधिकारी।।
 तुम चंदन हम रेंड बापूरे निकट तुम्हारे आसा
 संगीत के परताप महातम आवै बास सुबासा
 जाति भी ओछी, करम भी ओछा कसब हमारा।
 नीचे से प्रभु ऊँच कियो है कहिं रैदास बिचारा।।





1. कवि के अनुसार मनुष्य अंत में ईश्वर में कैसे समा जाता है
2. "स्वाति बूँद" क्या है? कवि ने इसकी महत्ता को कैसे समझाया है?
3. कवि ने संगीत के प्रभाव को कैसे स्पष्ट किया है



(xvi) कह न देना मौन हूँ मैं, खुद ना समझूँ कौन हूँ मैं,
देखना कुछ बक न देना, उन्हें कोई शक न देना,
हे सजीले हरे सावन, हे कि मेरे पुष्प पावन,
तुम बरस लो वे न बरसे, पाँचवे को वे न तरसे,



1. जेल में कवि की स्थिति कैसी थी?
2. काव्यांश में पांचवा कौन हैं?
3. कवि सावन से क्या बताने को मना करता हैं? और क्यों?



(xvii) चंपा कहती है

तुम कागद ही गोदा करते हो दिन भर
क्या यह काम बहुत अच्छा है
यह सुनकर मैं हँस देता हूँ
फिर चंपा चुप हो जाती है

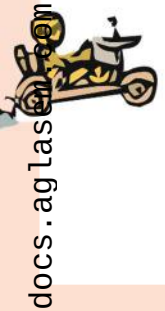


1. कवि ने चंपा को क्या सलाह दी?
2. काव्यांश के कवि का नाम बताइए।
3. चंपा चुप क्यों हो जाती है?



(xviii) मैंने कहा कि चंपा पढ़ लेना अच्छा है

ब्याह तुम्हारा होगा तुम गौने जाओगी
कुछ दिन बालम साथ रह चला जाएगा जब कलकत्ता
बड़ी दूर है वह कलकत्ता
कैसे उसे संदेशा दोगी
कैसे उसके पत्र पढोगी
चंपा पढ़ लेना अच्छा है





1. कवि ने चंपा को पढ़ाई करने के लिए किस प्रकार प्रेरित किया?
2. चंपा विवाह के पश्चात कहाँ जाएगी?
3. क्या वास्तव में चंपा पढ़ना चाहती



(xxi) न हो कमीज तू पाव से पेट ढक लेंगे

यह लोग कितने मुनासिब है इस सफर के लिए
खुदा नहीं ना सही आदमी का ख्याब सही
कोई हसीन नजारा तो है नजर के लिए

1. इस देश के लोग किस सफर के लिए योग्य माने जाते हैं?
2. कवि ने ख्वाब को क्यों उचित कहा है?
3. हसीन नजारा तो है नजर के लिए कवि ने क्यों कहा है



(xx) हे भूख! मत मचल, प्यास तड़प मत

हे नींद! मत सता, क्रोध मचा मत उथल-पुथल
हे मोह! पास अपने दिल लोभ मत ललचा
हे मद! मत कर मदहोश ईर्ष्या जला मत
ओ चराचर! मत चूक अवसर
आई हूँ संदेश लेकर चन्नमल्लिका अर्जुन का

1. कवियित्री किसके लिए किस का संदेश लाई है?
2. कवियित्री स्वयं को कष्ट क्यों देना चाहती है?
3. कवियित्री का समर्पण किसके लिए हैं और क्यों?



(xxi) कपट के शोर में

सही होते हुए भी दब जाना बुरा तो हैं
किसी जुगनू की लौ में पढ़ना बुरा तो हैं
मुट्ठियाँ भींचकर बस वक्त निकाल लेना बुरा तो हैं
सबसे खतरनाक नहीं होता

1. जुगनू की लौ में पढ़ना बुरा हैं का आशय स्पष्ट कीजिए।
2. मुट्ठियाँ भींचकर वक्त निकाल लेना क्यों बुरा हैं?
3. सही होते हुए भी दब जाने या दबकर रहने को कवि क्या मानता हैं?





(xxii) सबसे खतरनाक वह आँख होती हैं

जो सब कुछ देखती हुई भी जमी बर्फ होती हैं

जिसकी नजर दुनिया को मोहब्बत से चूमना भूल जाती है

जो चीजों से उठती अंधेपन की भाप पर लुढ़क जाती है

जो रोज मर्रा के कर्म को पीती हुई

एक लक्ष्यहीन दोहराव के उलटफेर में खो जाती है

1. कवि ने कैसी आँख को जमी बर्फ कहा है?
2. अंधेपन की भाप में लुढ़कने का क्या तात्पर्य है?
3. लक्ष्यहीन दोहराव क्या है?



प्रश्न 10.

काव्यगत सौंदर्य बोध

(1) कबीर-पद

हम तौ एक एक करि जानां ।

दोई कहैं तिनकी कौ दोजग जीन नाहिंन पहिचानां ।।

एकै पवन एक ही पानी एकै जोति समांनां ।

एकै खाक गढ़े सब भांडै एकै कोहरा सांना ।।

जैसे बाढ़ी काष्ट ही काटै अगिनि न काटै कोई ।

सब घटी अंतरि तुंही व्यापक घरै सरुपै सोई ।।

भाया देखि के जगत लूमाना काहे रे नर गरबांना ।

निरभै भया कछू नहि ब्यापै कहै कबिर दीवाना ।।



प्रश्न 1 काव्यांश का सौंदर्य लिखिए ।

प्रश्न 2 काव्यांश का काव्य सौण्डव कीजिए ।

प्रश्न 3 काव्यांश में प्रयोग भाषा को बताइए ।

प्रश्न 4 काव्यांश में प्रयुक्त अलंकार बताइए ।

(2) पथिक

“रत्नाकर गर्जन करता है मलयानिल बहता है ।

हरदम यह हौसला हृदय में प्रिय! भरा रहता है

इस विशाल विस्तृत महिमामय रत्नाकर के घर के

कोने कोने में लहरों पर बैठे फिरूँ जी भर के ।।





प्रश्न 1 काव्यांश का भाव सौंदर्य बताइए।

प्रश्न 2 प्रयुक्त छन्द का नाम लिखिए।

प्रश्न 3 काव्यांश का कला सौण्ठव कीजिए।

प्रश्न 4 प्रयुक्त अलंकारों के नाम बताइए।

निर्भय दृढ़ गंभीर भाव से गरज रहा सागर है।
लहरों पर लहरों का आना सुंदर अति सुंदर है।
कहो यहां से बढ़कर कर सुख क्या पा सकता है प्राणी।
अनुभव करो हृदय से हे अनुराग भरी कल्याणी।।



प्रश्न 1 काव्यांश का भाव सौंदर्य बताइए।

प्रश्न 2 काव्यांश का काव्य सौण्ठव लिखिए।

प्रश्न 3 काव्यांश में प्रयुक्त अनुप्रासों को लिखिए।

प्रश्न 4 काव्यांश में प्रयुक्त छन्द गुण को बताइए।

जब गंभीर तम अर्द्ध निशा मे जग को ढक लेता है।
अंतरिक्ष की छत पर तारों को छिटका देता है।
स्मित वंदन जगत का स्वामी मृदु गति से आता है।
तट पर खड़ा गगन गंगा के मधुर गीत गाता है।।



प्रश्न 1 काव्यांश का भाव सौंदर्य बताइए।

प्रश्न 2 काव्यांश का काव्य सौंदर्य बताइए।

प्रश्न 3 काव्य में प्रयुक्त अलंकारों को बताइए।

प्रश्न 4 काव्यांश का गुण छंद बताइए।



वन, उपवन, गिरी सानू कुंज में मेघ बरस पड़ते हैं।
मेरा आत्म प्रलय होता है। नयन नीर झड़ते हैं।
पढ़ो लहर तट तृण, तरु, गिरि, नभ, किरन, जलद पर प्यार।
लिखी हुई यह मधुर कहानी विश्व विमोहनकारी।।

प्रश्न 1 काव्यांश भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2 काव्यांश का काव्य सौण्ठव लिखिए।

प्रश्न 3 काव्य में प्रयुक्त अलंकारों को बताइए।

प्रश्न 4 काव्यांश में प्रयुक्त छन्द बताइए।





(3) आँखे

वह स्वाधीन किसान रहा,
अभिमान भरा आँखों में इसका,
छोड़ उसे मझधार आज,
संसार कगार सदृश बह खिसका

प्रश्न 1 काव्यांश का भाव सौंदर्य लिखिए ।

प्रश्न 2 काव्यांश का काव्य सौण्ठव कीजिए ।

प्रश्न 3 काव्यांश में प्रयुक्त अलंकार बताइए ।

बिका दिया घर द्वार,
महाजन ने न ब्याज की कौड़ी छोड़ी,
रह-रह आँखों में चुभती वह
कुर्क हुई बरघों की जोड़ी
उजड़ी उसकी सिवाय किसे कब
पास दुहाने आने देती?
आह आँखों में नाचा करती
उजड़ गई जो सुख की खेती

प्रश्न 1 काव्यांश का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2 काव्यांश का काव्य सौण्ठव लिखिये ।

प्रश्न 3 काव्यांश में प्रयुक्त मुहावरों को लिखिए ।

आँखों ही में घूमा करता
वह उसकी आँखों का तारा
कारकुनों की लाठी से जो
गया जवानी में ही मारा

प्रश्न 1 काव्यांश का भाव सौंदर्य बताइए ।

प्रश्न 2 काव्य का काव्य सौण्ठव कीजिए ।

प्रश्न 3 काव्यांश प्रयुक्त मुहावरों को लिखिए ।

पिछले सुख की स्मृति आँखों में
क्षणभर एक चमक है लाती
तुरंत शून्य में गड़ वह चितवन
तीखी नोक सदृश बनजाती ।





प्रश्न 1 काव्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2 काव्यांश का कला सौन्दर्य लिखिए।

(4) घर की याद

घर के घर में चार भाई,
मायके में बहिन आई,
बहिन आई बाप के घर,
हाय रे परीताप के घर,
घर के घर में सब जुड़े हैं
सब की इतने कब जुड़े हैं
चार भाई चार बाहिने
भुजा भाई प्यार बहने।



प्रश्न 1 काव्यांश का भाव सौंदर्य लिखिए।

प्रश्न 2 काव्यांश का काव्य सौण्ठव की लिखिए।

प्रश्न 3 भुजा और स्नेह को किसका प्रतीक बताया है?

पिताजी जिनको बुढ़ापा
एक दिन भी नहीं ब्यापा
जो अभी भी दौड़ जाँ
जो अभी भी खेलखिलाए
मौत के आगे न हिचके,
शेर के आगे ना बीचके
बोल में बादल गरजता
काम में झंझा लरजता।



प्रश्न 1 काव्यांश का भाव सौंदर्य बताइए।

प्रश्न 2 काव्यांश की काव्य सौंदर्य लिखिए।

प्रश्न 3 काव्य में प्रयुक्त अलंकार व रस का नाम बताइए।

चार भाई चार बहिनें
भुजा भाई प्यार बहिनें
खेलते या खड़े होंगे
नजर उनको पड़े होंगे





पिताजी जिनको बुढ़ापा
एक क्षण भी नहीं ब्यापा
रो पड़े होंगे बराबर
पाँचवें का नाम लेकर।

प्रश्न 1 काव्यांश का काव्य सौंदर्य बताइए ।

प्रश्न 2 काव्य का भाव सौंदर्य कीजिए ।

प्रश्न 3 काव्य में प्रयोग की गई अलंकार के नाम बताइए ।



और मां ने कहा होगा
दुख कितना बहां होगा
आंख में किस लिए पानी
वहां अच्छा है भवानी
वह तुम्हारा मन समझकर
और अपनापन समझकर
गया है सो ठीक ही है
यह तुम्हारी लिख ही है

प्रश्न 1 काव्यांश का भाव सौंदर्य बताइए ।

प्रश्न 2 काव्य उसका काव्य सौंदर्य लिखिए ।

प्रश्न 3 भाषा शैली के नाम लिखिए ।



हे सजीले हरे सावन
हे कि मेरे पुण्य पावन
तुम बरस लो वे न बरसे
पांचवे को वे न तरसे
मैं मजे में हूँ सही है
घर नहीं हूँ बस यही है
किंतु यह बस बड़ा बस है
इसी बस में बस विरस है

प्रश्न 1 काव्यांश के काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2 काव्यांश का भाव सौंदर्य का वर्णन कीजिए ।

प्रश्न 3 भाषा शैली का वर्णन कीजिए ।





और कहना मस्त हूँ मैं
काटने में व्यस्त हूँ मैं
वजन सत्तर सेर मेरा
और भोजन ढेर मेरा
कूदता हूँ खेलता हूँ
दुःख डटकर ढेलता हूँ
और कहना मस्त हूँ
मैं यो ना कहना अस्त हूँ मैं

प्रश्न 1 काव्यांश के भाव सौंदर्य बताइए ।

प्रश्न 2 काव्यांश का भाव काव्य सौण्ठव लिखिए ।

प्रश्न 3 काव्यांश में प्रयोग मुहावरों को लिखिए ।

प्रश्न 4 अलंकार योजना (काव्य में) को बताइए ।



(5) चंपा काले काले अक्षर नहीं चिन्हति
चंपा सुंदर की लड़की है
सुंदर ग्वाला है गाये भैंसे रखता है
चंपा चौपायो को लेकर
चरवाही करने जाती है
चंपा अच्छी है
चंचल है
नटखट भी है
कभी-कभी उद्यम करती है
कभी-कभी वह कलम चुरा लेती है
जैसे तैसे उसे ढूँढ कर जब लाता हूँ
पाता हूँ अब कागज गायब
परेशान फिर हो जाता हूँ

प्रश्न 1 काव्यांश के काव्य सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2 काव्यांश के भाव सौंदर्य बताइए ।

प्रश्न 3 ग्राम शब्दों को लिखिए ।



चंपा बोली तुम कितने झूठे हो देखा
हाय राम तुम पढ लिखकर इतने झूठे हो
मैं तो व्याह कभी न करूंगी
और कहीं जो व्याह हो गया





तो मैं अपने बालम को संग साथ रखूंगी
कलकत्ता मैं कभी न जाने दूंगी
कलकत्ते पर बजर गिरे

प्रश्न 1 काव्यांश के भाव स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2 काव्यांश काव्य सौण्डव लिखिए ।

प्रश्न 3 भाषा की परिवेश संबंधित सौंदर्यता बताइए ।

चंपा तुम भी पढ़ लो
हारे गाढ़े काम सरेगा
गांधी बाबा की इच्छा है
सब जन पढ़ना लिखना सीखे
चंपा ने यह कहा कि
मैं तो नहीं पढ़ूंगी
तुम तो कहते थे गांधी बाबा अच्छे हैं
वे पढ़ने लिखने की कैसे बात कहेंगे
मैं तो नहीं पढ़ूंगी

प्रश्न 1 काव्यांश का भाव सौंदर्य बताइए ।

प्रश्न 2 काव्यांश में कला पक्ष की सौंदर्यता स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3 काव्यांश में अलंकार की सौंदर्यता प्रश्नात्मक है स्पष्ट कीजिए ।



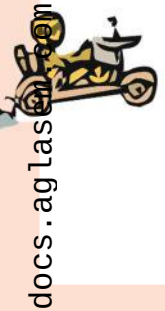
(7) दुष्यंत कुमार गजल
कहा तो तय था चिरागाँ हर एक घर के लिए,
कहां चिराग मयस्सर नहीं शहर के लिए।
यहां दरख्तों के साये में धूप लगती है,
चलो यहां से चले और उम्र भर के लिए।

प्रश्न 1 काव्यांश का भाव सौंदर्य लिखिए ।

प्रश्न 2 काव्यांश के काव्य सौण्डव बताइए ।

प्रश्न 3 अलंकार योजना स्पष्ट कीजिए ।

तेरा निजाम है सील दे जुबान शायर की,
यह एहतियात जरूरी है इस बहर के लिए।
जिऊँ तो अपने बगीचे में गुलमोहर के तले,
मरे तो गैर की गलियों में गुलमोहर के लिए।





प्रश्न 1 काव्यांश का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2 काव्यांश का काव्य सौण्ठव बताइए ।

प्रश्न 3 अलंकार योजना को बताइए ।

प्रश्न 4 उर्दू शब्दों को लिखिए ।

(8) अक्का के वचन

हे मेरे जूही के फूल जैसे ईश्वर
मँगवाओं मुझसे भीख
और कुछ ऐसा करो
कि भूल जाऊँ अपना घर पूरी तरह
झोली फैलाऊँ और ना मिले भीख
को हाथ बढ़ाएं कुछ देने को
तो वह गिर जाए नीचे
और यदि मैं झुकू उसे उठाने
तो कोई कुत्ता आ जाए
और उसे झपटकर छीन ले मुझसे



प्रश्न 1 काव्यांश में भाव सुंदर को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2 अलंकार योजना बताइए ।

प्रश्न 3 काव्यांस में प्रस्तुत शैली क्या है?

प्रश्न 4 काव्यांस के काव्य सौंदर्य लिखिए ।



(9) सबसे खतरनाक

मेहनत की लूट सबसे खतरनाक नहीं होती
पुलिस की मार सबसे खतरनाक नहीं होती
गद्दारी लोभ की मुट्ठी सबसे खतरनाक नहीं होती
बैठे—बिठाए पकड़े जाना बुरा तो है
सहमी—सी चुप में जकड़े जाना बुरा तो है
पर सबसे खतरनाक नहीं होती

प्रश्न 1 काव्यांश का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2 काव्यांश का काव्य सौंदर्य बताइए ।

प्रश्न 3 काव्यांस में शैली व अलंकार बताइए ।





सबसे खतरनाक होता है
मुर्दा शांति से भर जाना
न होना तड़प का सब सहन कर जाना
घर से निकलना काम पर
और काम से लौटकर घर आना
सबसे खतरनाक होता है
हमारे सपनों का मर जाना
सबसे खतरनाक वह घड़ी होती है
आपकी कलाई पर चलती हुई भी जो
आपकी निगाहें में रुकी होती है



प्रश्न 1 काव्यांश का काव्यगत विशेषताएं बताइए ।

प्रश्न 2 काव्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3 काव्यांश का शैली बताइए?



सबसे खतरनाक वह चाँद होता है
जो हर हत्याकांड के बाद
वीरान हुए आँगनों में चढ़ता है
पर आपकी आँखों को मिर्चा की तरह नहीं गड़ता है
सबसे खतरनाक वह गीत होता है
आपके कानों तक पहुँचने के लिए
जो मरसिए पड़ता है
आतंकियों के दरवाजों पर
जो गुंडे की तरह अकड़ता है



प्रश्न 1 काव्यांश का काव्यगत विशेषताएं बताइए ।

प्रश्न 2 काव्यांश का भाव सौंदर्य लिखिए ।

प्रश्न 3 काव्यांश में किस शैली का प्रयोग है ?

प्रश्न 4 काव्यांश का अलंकार योजना बताइए ।



(10) रैदास के पद

जाति-जाति में जाति है जो केतन के पात
रैदास मनुष न जुड सके जब तक जाति ना जात ।।
रैदास कनक और कंगन माहि जिमी अंतर कुछु नाहि ।
तैसे ही अंतर नहीं हिंदुअन तुरकन माहि ।।





हिंदू तुरक नही कछु भेदो सभी मह एक रक्त और मासा
दोस एकऊ दूजा नाही पेख्यों सोइ रैदासा।।
कह रैदासा तेरी भगति दूरी हैं, भाग बड़े सो पावै
तजि अभिमान मेटि आपा पर पिपिलक हषै चुनि खावै

प्रश्न 1 काव्यांश का भाव सौंदर्य बताइए ।

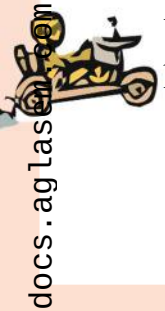
प्रश्न 2 काव्यांश का कला सौण्डव लिखिए ।

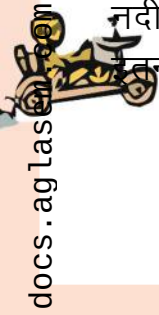
प्रश्न 3 काव्यांश में प्रयुक्त अलंकार बताइए ।

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—



1. कबीर की दृष्टि में ईश्वर एक है इसके समर्थन में उन्होंने क्या तर्क दिए हैं ?
2. कबीर ने अपने को दीवाना क्यों कहा है ?
3. कबीर ने ऐसा क्यों कहा है कि संसार बौरा गया है?
4. कबीर ने नियम और धर्म का पालन करने वाले लोगों की किन कमियों की ओर संकेत किया है?
5. पथिक का मन कहाँ विचरना चाहता है लिखिये?
6. पथिक कविता में सूर्योदय वर्णन के लिए किस तरह के बिम्बों का प्रयोग हुआ है?
7. वे आंखें कविता में किसान की पीड़ा के लिए के किन्हे जिम्मेदार बताया गया है?
8. पिछले सुख की स्मृति आंखों के क्षण भर एक चमक है लाती इसमें किसान के किन पिछले सुखों की ओर संकेत किया है?
9. घर की याद कविता में पानी के रात भर गिरने और प्राण मन के गिरने में परस्पर क्या संबंध है?
10. मायके आई बहन के लिए कवि भवानी ने घर को परिताप का घर क्यों कहा है?
11. चंपा ने ऐसा क्यों कहा कि कलकत्ता मैं बजर गिरे?
12. चंपा को इस पर क्यों विश्वास नहीं होता है गांधी बाबा ने पढ़ने लिखने की बात कही होगी?
13. कवि त्रिलोचन के अनुसार चंपा के चरित्र की कोई दो विशेषताएं लिखिए ।
14. कहां चिराग मयस्सर नहीं शहर के लिए के द्वारा कवि क्या कहना चाहता है?
15. न हो कमीज तो पांव में पेट ढक लेंगे कवि ने यह किनके लिए कहा है
16. हे भूख मत मचल के द्वारा कवियित्री क्या कहना चाहती है?
17. 'ओ चराचर! मत चुक अवसर — इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए
18. अपना घर से क्या तात्पर्य है इसे भूलने की बात क्यों कहीं गई है?





19. कवि ने किस आशय से मेहनत की लूट, पुलिस की मार, गद्दारी— लोभ को सबसे खतरनाक नहीं माना।
20. वह चांद सबसे खतरनाक क्यों होता है जो हत्याकांड बात आपकी आंखों को मिर्ची की तरह नहीं गढ़ता है?
21. सबसे खतरनाक आँख किसे कहा गया है?
22. रैदास किस अभिमान को तजने की बात करते हैं? और क्यों ?
23. हिंदू और मुस्लिम के परस्पर समानता को रैदास कैसे बताते हैं?
24. रैदास मनुष्य को आपस में जोड़ने का आधार क्या बताते हैं
25. सुसंगीत से होने वाले लाभ को रैदास जी ने कैसे समझाया है?

01 नमक का दारोगा

अर्थ ग्रहण संबंधित प्रश्न

(1)

नमक का नया विभाग बना और ईश्वर प्रदत्त वस्तु के व्यवहार करने का निषेध हो गया तो लोग चोरी—छिपे इसका व्यापार करने लगे। अनेक प्रकार के छल प्रपंचों का सूत्रपात हुआ, कोई घूस से काम निकालता था, तो कोई चालाकी से। अधिकारियों के पौ बाहर थे। पटवारी गिरी का सर्व सम्मानित पद छोड़—छाड़कर लोग इस विभाग की बरकन्दाजी करते थे। इसके दारोगा पद के लिए तो वकीलों का भी जी ललचाता था पुणे राम यह वह समय था जब अंग्रेजी शिक्षा और ईसाई मत को लोग एक ही वस्तु समझते थे।

प्रश्न 1 नमक का नया विभाग बनने से क्या प्रभाव पड़ा ?

प्रश्न 2 नमक विभाग की नौकरी के प्रति लोगों के विशेष आकर्षण का क्या कारण था ?

प्रश्न 3 दारोगा पद के लिए वकील भी इच्छुक क्यों रहते थे?

(2)

मुंशी वंशीधर को यह आए अभी छह महीनों से अधिक ना हुए थे लेकिन इस थोड़े समय में ही उन्होंने अपनी कार्यकुशलता और उत्तम आचार से अफसरों को मोहित कर लिया था। अफसर लोग उन पर बहुत विश्वास करने लगे पुणिराम नमक को दफ्तर से 1 मील पूर्व की ओर जमुना बहती थी, उस पर नाव का एक पुल बना हुआ था दारोगा जी किवाड़ बंद किए मीठी नदी से सो रहे थे। अचानक आंख खुली तो नदी के प्रवाह की जगह गाड़ियों की गड़गड़ाहट तथा मल्लाहों का कोलाहल सुनाई दिया उठ बैठे।

कितनी रात गए गाड़ियां क्यों नदी के पार जाती हैं अवश्य कुछ ना कुछ गोलमाल है।



प्रश्न 1 मुंशी वंशीधर की छह महीनों की सेवा में ही उनके अफसर खुश क्यों हो गए?

प्रश्न 2 यमुना नदी पर नावों का पुल बना था। इसका आशय स्पष्ट कीजिए?

प्रश्न 3 नदी के प्रवाह की जगह गाड़ियों की गड़गड़ाहट और मल्लाओ की आवाज क्यों सुनाई दिया?

(3)

धर्म कि इस बुद्धिहीन दृढ़ता और देव दुर्लभ त्याग पर मन बहुत झुंझलाया। अब दोनों शक्तियों में संग्राम होने लगा धन ने उछल उछल कर आक्रमण करने शुरू किए। एक से पांच, पांच से दस, दस से पंद्रह और पंद्रह से बीस हजार तक नौबत पहुंची, किंतु धर्म अलौकिक वीरता के साथ इस बहू संख्यक सेना के प्रमुख अकेला पर्वत की भांति अटल अविचलित खड़ा था। अलोपीदीन निराश होकर बोले अब इससे अधिक मेरा साहस नहीं। आगे आप को अधिकार है वंशीधर ने अपने जमादार को ललकारा। बदलूसिंह मन में दारोगा जी को गालियां देता हुआ पंडित अलोपीदीन की ओर बढ़ा। पंडित घबरा कर दो तीन कदम पीछे हट गए।

प्रश्न 1 कौन-कौन सी दो शक्तियों में संग्राम होने लगता है ?

प्रश्न 2 अलोपीदीन ने निराश होकर ऐसा क्यों कहा कि इससे अधिक मेरा साहस नहीं?

प्रश्न 3 बदलू सिंह मन में दारोगा जी को गालियां देने लगा उसके मन में क्या भावनाएं आने लगी थी?

(4)

पंडित अलोपीदीन ने वंशीधर से कहा दारोगा जी इसे खुशामद ना समझिए, खुशामद करने के लिए मुझे इतना कष्ट उठाने की जरूरत ना थी। उस रात को अपने अपने अधिकार बल से मुझे अपनी हिरासत में लिया था किंतु आज मैं स्वेच्छा से आपकी हिरासत में हूं। मैंने हजारों रईस और अमीर देखें, हजारों उच्च पदाधिकारियों से काम पड़ा, किंतु मुझे परास्त किया तो आपने। मैंने सबको अपना और अपने धन का गुलाम बना कर छोड़ दिया। मुझे आज्ञा दीजिए कि आपसे कुछ विनय करूं

प्रश्न 1. पंडित अलोपीदीन ने वंशीधर से कहा कि इसे खुशामद ना समझिए। इस कथन का क्या आशय है?

प्रश्न 2. उस रात आपने अपने अधिकार बल से मुझे हिरासत में लिया था किंतु आज मैं स्वेच्छा से आपकी हिरासत में हूं। पंडित जी का आशय स्पष्ट कीजिए?

प्रश्न 3. पंडित जी ने वंशीधर से कुछ विनय करने की आज्ञा क्यों मांगते हैं?

विषय वस्तु पर आधारित प्रश्न

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 ईश्वर प्रदत्त वस्तु किसे कहा गया है?

प्रश्न 2 पंडित अलोपीदीन किस इलाके के प्रतिष्ठित जमींदार थे?





प्रश्न 3 पंडित अलोपीदीन किस पर अखंड विश्वास था?

प्रश्न 4 धन से मोल लेने का क्या मूल्य चुकाना पड़ा?

प्रश्न 5 वंशीधर की वृद्धा माता को किस बात का दुख हुआ?

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 नमक का दारोगा कहानी में पंडित अलोपीदीन की व्यक्तित्व के कौन-कौन से दो पक्ष उभर कर आते हैं ?

प्रश्न 2 कहानी के पात्र दारोगा वंशीधर एवं पंडित अलोपीदीन के चरित्र समाज की किस सच्चाई की ओर इंगित करता है?

प्रश्न 3 पटवारी गिरी को सर्व सम्मानित पद क्यों कहा गया है?

प्रश्न 4 वंशीधर के वृद्ध पिता ने अपने पुत्र को समझाते हुए कहा कि बेटा घर की दुर्दशा देख रहे हो। ऋण के बोझ से दबे हुए हैं। ऐसा कहने का क्या अर्थ है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5 अलोपीदीन ने स्टॉप लगे हुए पत्र में वंशीधर को किस प्रकार पुरस्कृत किया है? उल्लेख कीजिए

02 मियाँ नसीरुद्दीन

अर्थ ग्रहण संबंधित प्रश्न



1. मियाँ नसीरुद्दीन ने आंखों के कंचे हम पर फेर दिए। फिर ततेरकर बोले— क्या मतलब? पूछिए साहब — नान बाई इल्म लेने कहीं और जाएगा? क्या नगीनासाज के पास? क्या आईना साज के पास? क्या मीना साज के पास? या रफुगर, रंगरेज़ या तेली-तंबोली से सीखने जाएगा? क्या फरमा दिया साहब यह तो हमारा खानदानी पेशा ठहरा। हाँ इल्म की बात पूछिये तो जो कुछ भी सीखा अपने वालिद उस्ताद से ही मतलब यह की हम घर से ना निकले की कोई पेशा अख्तियार करेंगे जो बाप दादा का हुनर था वही उसने पाया वालिद मरहूम के उठ जान पर आ बैठे उन्ही के ठीये पर।

प्रश्न 1 मियाँ नसीरुद्दीन ने क्यों आंखे ततेरकर बोला?

प्रश्न 2 मियाँ ने नानबाई का कार्य किससे सीखा?

प्रश्न 3 नानबाई कला कहीं सिखने के प्रश्न पर किस प्रकार की टेढ़ी बातें कही?





2. बेसब्री से पूछा— 'वह पकवान क्या था— कोई खास ही चीज होगी।' मियाँ कुछ देर सोच में खोए रहे। सोचा पकवान पर रोशनी डालने को हैं कि नसीरुद्दीन साहीब बड़ी रूखाई से बोले— 'यह हम न बतायेंगे बस आप इतना समझ लीजिए कि एक कहावत है ना कि खानदानी नानबाई कुँए में भी रोटी पका सकता है। कहावत जब भी गड़ी गई हो, हमारे बुजुर्गों के करतब पर ही पूरी उतरती हैं।

प्रश्न 1 पकवान के बारे में पूछने पर मियाँ ने क्या उत्तर दिया?

प्रश्न 2 खानदानी नानबाई कुँए में भी रोटी पका सकता है कहावत का क्या अर्थ है?

प्रश्न 3 बुजुर्ग के करतब कथन का क्या अभिप्राय हैं?



3. मियाँ को अब तक इस मज़मून में कोई दिलचस्पी बाकी न रही थीं। फिर भी हमसे छुटकारा पाने को बोले—बाकरखानी—शीरमाल—
ताफनान—बेसनी—खमीरी—रूमाली—गाव—दीदा—गाजेबान—तुनकी—फिर तेवर चढ़ा हमें घूर कर कहा— तुनकी पापड़ से भी महीन होती है। महीन, हां किसी दिन खिलाएंगे आपको। एकाएक मियाँ की आंखों के आगे कुछ कौंध गया। एक लंबी सांस भरी और किसी गुमशुदा याद को ताजा करने को कहा— उतर गए वे जमाने और गए वे कद्रदान जो पकाने खाने की कद्र करना जानते थे।

प्रश्न 1 रोटियों की कौन—कौन सी किसमें दर्शाई गई है ?

प्रश्न 2 तुनकी रोटी की क्या विशेषता होती है ?

प्रश्न 3 उतर गए वे जमाने। कथन से मियाँ का क्या आशय है?



विषय वस्तु पर आधारित प्रश्न

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 नानबाई किसे कहते हैं?

प्रश्न 2 नानबाई के मसीहा किसे कहा गया है?

प्रश्न 3 मियाँ ने लेखिका को क्या समझ कर कहा? फरमाइए।

प्रश्न 4 नसीरुद्दीन मियाँ के वालिद किस नाम से प्रसिद्ध थे?

प्रश्न 5 मदरसे में बच्चे क्रमशः कौन कौन सी जमात (कक्षा) में पढ़ते हैं?



लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 मियाँ नसीरुद्दीन को नाम भाइयों का मसीहा क्यों कहा गया है?



प्रश्न 2 लेखिका कृष्णा सोबती मियाँ नसीरुद्दीन के पास क्यों गई थी?

प्रश्न 3 बादशाह के नाम का प्रसंग आने पर लेखिका की बातों में मियाँ की दिलचस्पी क्यों खत्म होने लगी?

प्रश्न 4 मियाँ नसीरुद्दीन के व्यक्तित्व का चित्रण कीजिए ?

प्रश्न 5 मियाँ नसीरुद्दीन की कौन-कौन सी बातें आपको अच्छी लगी?

03 अपू के साथ ढाई साल

अर्थग्रहण संबंधी प्रश्न –



01

आखिर हमारे पड़ोस के घर में रहने वाला लड़का सुबीर बनर्जी ही पथरे पंचाली में अपू बना। फिल्म का काम आगे भी ढाई साल चलने वाला है। इस बात का अंदाजा मुझे पहले नहीं था इसीलिए जैसे- जैसे दिन बीतने लगे वैसे - वैसे मुझे डर सताने लगा अपू और दुर्गा की भूमिका निभाने वाले बच्चे अगर ज्यादा बड़े हो गए तो फिल्म में वह दिखाई देगा। लेकिन मेरी खुशकिस्मती से उस उम्र में बच्चे जितने बढ़ते हैं उतने अपू और दुर्गा की भूमिका निभाने वाले बच्चे नहीं बड़े। इन्दिरा ठाकरुन की भूमिका निभाने वाली अस्सी साल उम्र की चुन्नी बाला देवी ढाई साल तक काम कर सकी, यह भी मेरे सौभाग्य की बात थी।

प्रश्न 1 अपू की भूमिका के लिए लड़का कहां मिला व उसका नाम क्या था?

प्रश्न 2 फिल्म निर्माता को क्या डर लग रहा था। और क्यों?

प्रश्न 3 फिल्म निर्माता के लिए सौभाग्य की क्या बात थी?



02

सुबह शूटिंग शुरू करके शाम तक हमने सीन का आधा भाग चित्रित किया। निर्देशक छायाकार और छोटे अभिनेता-अभिनेत्री हम सभी इस क्षेत्र में नवागत होने के कारण थोड़े बौराए हुए ही थे बाकी का सीन बाद में चित्रित करने का निर्णय लेकर हम घर पहुंचे सात दिन बाद शूटिंग के लिए उस जगह गए तो वह जगह हम पहचान ही नहीं पाए। लगा यह कहां आ गए हैं हम? कहां गए वे सारे काश फूल बीच के साथ दिनों में जानवरो ने सारे काश फूल खा डाले थे अब अगर हम उस जगह बाकी आधे सीन की शूटिंग करते, तो पहले आधे सीन के साथ उसका मेल कैसे बैठता उसमें ये कंटिनयुइटी नदारद हो जाती।

प्रश्न 1 सात दिन बाद शूटिंग स्थल पहुंचने पर शूटिंग दल उस जगह को क्यों पहचान नहीं पाए ?

प्रश्न 2 सारे काशफूल कैसे गायब हो गए?

प्रश्न 3 शेष आधे सीन की शूटिंग करने में क्या परेशानियां थी





आखिर श्रीनिवास की भूमिका के लिए हमें जो सज्जन मिले उनका चेहरा पहले वाले श्रीनिवास से मिलता जुलता नहीं था लेकिन शरीर से वे पहले श्रीनिवास जैसे ही थे। उन्हीं पर हमने दृश्य का बाकी अंत चित्रित किया फिल्म में दिखाई देता है कि एक नंबर श्रीनिवास बाँसबन से बाहर आता है और अगले शॉट में दो नंबर श्रीनिवास कैमरे की ओर पीठ करके मुखर्जी के घर के गेट के अंदर आता है पथरे पांचाली फिल्म अनेक लोगों ने एक से अधिक बार देखी है लेकिन श्रीनिवास के मामले में यह बात किसी के ध्यान में आई है ऐसा मैंने नहीं सुना

प्रश्न 1 फिल्म में श्रीनिवास की क्या भूमिका थी? उनकी जगह दूसरे सज्जन को क्यों लिया गया ?

प्रश्न 2 श्रीनिवास की भूमिका की शेष शूटिंग कैसे की गई?

प्रश्न 3 फिल्म में किसबात पर लोगों का ध्यान नहीं गया?



विषय वस्तु पर आधारित प्रश्न

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 पथरे पांचाली फिल्म की शूटिंग कितने साल चली क्यों?

प्रश्न 2 बीच में शूटिंग क्यों स्थगित करनी पड़ी थी?

प्रश्न 3 अपु की भूमिका के लिए कितने साल के लड़के की आवश्यकता थी?

प्रश्न 4 अपु खाना छोड़ कर क्या लाने के लिए जाता है?

प्रश्न 5 सर्वजया कौन है?

प्रश्न 6 फिल्म में भूलों कौन था?



लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 पथरे पांचाली फिल्म की शूटिंग का काम ढाई साल तक क्यों चला?

प्रश्न 2 किन दो दृश्यों में दर्शक यह पहचान नहीं पाते कि उनकी शूटिंग में दो तरकीब अपनाई गई है?

प्रश्न 3 सुबोधदा कौन थे? उनकी मानसिक स्थिति के बारे में फिल्मकार को क्या पता चला?

प्रश्न 4 भूलों की जगह दूसरा कुत्ता क्यों लाया गया? उसने फिल्म के किस दृश्य को पूरा किया?

प्रश्न 5 शूटिंग की दृष्टि से गोपाल ग्राम की तुलना में बोडालगांव अधिक उपयुक्त क्यों लगा?

प्रश्न 6 जिस घर में शूटिंग करते थे उसकी पड़ोस में रहने वाले धोबी से पूरी टीम परेशान रहती थी

क्यों?





02 विदाई संभाषण

अर्थ ग्रहण संबंधित प्रश्न

01

बिछड़न—समय बड़ा करुणोत्पादक होता है आपको बिछड़ते देख कर आज हृदय में बड़ा दुख है। माई लार्ड आपके दूसरी बार इस देश में आने से भारतवासी किसी प्रकार प्रशन्न न थे वे यही चाहते थे कि आप फिर न आवे। पर आप आएँ और उससे यहां के लोग बहुत ही दुखित हुए। वे दिन—रात यही मानते थे कि जल्द श्रीमान यहां से पधारें। पर अहो! आज आपके जाने पर हर्ष की जगह विशाद होता है इसी से जाना कि बिछड़न समय बड़ा करुणोत्पादक होता है बड़ा पवित्र, बड़ा निर्मल और बड़ा कोमल होता है बैर—भाव छूट कर शांत रस का आविर्भाव उस समय होता है।

प्रश्न 1 लार्ड कर्जन के दूसरी बार भारत आने पर भारतवासी प्रशन्न नहीं थे क्यों?

प्रश्न 2 बिछड़न का समय करुणोत्पादक होता है लेखक की व्यगात्मक शैली में कथन को स्पष्ट कीजिए

प्रश्न 3 वैर—भव छूट कर शांत रस का आविर्भाव कब होता है?

02

आप बहुत धीर गंभीर प्रसिद्ध थे उस सारी धिरता गंभीरता का अपने इस बार कौंसिल में बेकानूनी कानून पास करते और कनवोकेशन वक्तृता देते समय दिवाला निकाल दिया। यह दिवाला तो इस देश में हुआ उधर विलायत में आपके बार—बार इस्तीफा देने की धमकी ने प्रकाश कर दिया की जड़ ही गई है। अंत में वह भी आपको दिवालिया होना पड़ा और दृढ़ता—गंभीरता के साथ दृढ़ता को भी तिलांजलि देनी पड़ी। इस देश की हकिम आपकी ताल पर नाचते थे राजा महाराजा डोरी हिलाने से सामने हाथ बांधे हाजिर होते थे आपके एक इशारे में प्रलय होती थी।

प्रश्न 1 लेखक ने लार्ड कर्जन को धीर गंभीर एवं प्रसिद्ध कहा। इस कथन का क्या आशय है ?

प्रश्न 2 राजा महाराजा डोरी हिलाने से सामने हाथ बांधे हाजिर होते थे लेखक क्या कहना चाहते हैं?

प्रश्न 3 विलायत में आप के इस्तीफे की धमकी से क्या असर पड़ा?

03

अमागे भारत! मैंने तुमसे सब प्रकार का लाभ उठाया और तेरी बदौलत वह शान देखी, जो इस जीवन में असंभव है तूने मेरा कुछ नहीं बिगाड़ा। पर मैंने तेरे बिगाड़ने में कुछ कमी न की। संसार के सबसे पुराने देश जब तक मेरे हाथ में सकती थी तेरी भलाई की इच्छा मेरे जी में न थी। अब कुछ शक्ति नहीं है जो तेरे लिए कुछ कर सकूं। पर आशीर्वाद करता हूँ कि तू फिर उठे और अपने प्राचीन गौरव और यश को फिर से लाभ करें। मेरे बाद आने वाले गौरव को समझे

प्रश्न 1 लेखक ने किस पर और क्यों व्यंग किया है?

प्रश्न 2 लेखक भारत के लिए किस बात के लिए आश्वस्त होना चाहता है और किससे ?

प्रश्न 3 संसार के सबसे पुराने देश के लिए और क्यों संबोधित किया गया



विषय वस्तु पर आधारित प्रश्न

- प्रश्न 1 भाई लार्ड संबोधन किसके लिए किया गया है ?
- प्रश्न 2 तीसरी शक्ति किसे कहीं गई है ?
- प्रश्न 3 लार्ड कर्जन दूसरी बार भी किस पद पर भारत आए थे ?
- प्रश्न 4 पाठ में दो गायों का वर्णन किया गया है ये गायें किसकी थीं?
- प्रश्न 5 नादिरशाह कहां के शाह है?

लघु उत्तरीय प्रश्न

- प्रश्न 1 लेखक में किस समय यह कहा कि बिछड़न समय बड़ा ही करुणोत्पादक होता है?
- प्रश्न 2 लॉर्ड कर्जन के पतन के क्या कारण थे?
- प्रश्न 3 लेखक लॉर्ड कर्जन की किस जीद की बात कह रहे थे?
- प्रश्न 4 शिव शंभू की दो गायों की कहानी के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहते थे ?
- प्रश्न 5 कर्जन को इस्तीफा क्यों देना पड़ा?



05 गलता लोहा

अर्थ ग्रहण संबंधित प्रश्न

01

मोहन उसका चहेता शिष्य था पुरोहित खानदान का कुशाग्र बुद्धि का बालक पढ़ने में ही नहीं गायक में भी बेजोड़। त्रिलोक सिंह मास्टर ने उसे पूरे स्कूल का मॉनिटर बना रखा था। वही सुबह-सुबह हे प्रभु आनंद दाता ज्ञान हमको दीजिए का पहला स्वर उठाकर प्रार्थना शुरू करता था मोहन को लेकर मास्टर त्रिलोक सिंह को बड़ी उम्मीदें थी कक्षा में किसी छात्र को कोई सवाल ना आने पर वही सवाल वे मोहन से पूछते और उसका अनुमान सही निकालता। मोहन ठीक-ठीक उत्तर देकर उन्हें संतुष्ट कर देता और सब कि सड़ी बालक को दंड देने का भार मोहन पर डाल देते



- प्रश्न 1 त्रिलोक सिंह मास्टर ने मोहन को मॉनिटर क्यों बनाया था?
- प्रश्न 2 मोहन का प्रतिदिन का पहला कार्य क्या था?
- प्रश्न 3 मोहन से मास्टर जी को क्यों बड़ी उम्मीदें थी?

02

बिरादरी के एक संपन्न परिवार का युवक रमेश उन दिनों लखनऊ से छुट्टियां में गांव आया हुआ था बातों बातों में वंशीधर ने मोहन की पढ़ाई के संबंध में उसे अपनी चिंता प्रकट की तो उसने न केवल अपनी सहानुभूति जताई बल्कि उन्हें सुझाव दिया कि मोहन को उसके साथ लखनऊ भेज दें घर में जहां चार प्राणी है एक और बढ़ जाने में कोई अंतर नहीं पड़ता बल्कि बड़े शहर में रहकर वह अच्छी तरह पढ़ लिख सकेगा।





प्रश्न 1 रमेश किस बिरादरी से संबंधित था और किस शहर में रहता था ?

प्रश्न 2 वंशीधर की चिंता को जानकर रमेश ने क्या सुझाव दिया?

प्रश्न 3 बड़े शहर में रहकर वह अच्छी तरह पढ़ लिख सकेगा यह किसने किससे वा किसके संबंध में कही गई?

03

सामान्य तौर से ब्राह्मण टोले के लोगों का शिल्पकार टोले में उठना बैठना नहीं होता था किसी कामकाज के सिलसिले में यदि शिल्पकार टोले में आना ही पड़ा तो खड़े-खड़े बातचीत निपटा ली जाती थी ब्राह्मण टोले के लोगों को बैठने के लिए कहना भी उनकी मर्यादा के विरुद्ध समझा जाता था पिछले कुछ वर्षों से शहर में जा रहने के बावजूद मोहन गांव की इस मान्यता से अपरिचित हो ऐसा संभव नहीं था धनराम मन ही मन उसके व्यवहार से असमंजस में पड़ा था लेकिन प्रकट में उसने कुछ नहीं कहा और अपना काम करता रहा।

प्रश्न 1 ब्राह्मण टोले के लोगों को कार्यवंश शिल्पकार टोले में जाने की स्थिति में क्या करते थे ?

प्रश्न 2 ब्राह्मण टोले के लोगों को शिल्पकार टोले के लोग बैठने के लिए क्यों नहीं कहते थे?

प्रश्न 3 मोहन के व्यवहार से धनराम की स्थिति क्या हो गई थी?

विषयवस्तु पर आधारित प्रश्न

अति लघु उत्तरीय

प्रश्न 1 मोहन के पिता जी का क्या नाम था ?

प्रश्न 2 बुड़े वंशीधर जी को क्या काम मुश्किल लग रहा था ?

प्रश्न 3 धनराम की भट्टी से दूर मोहन किस पर बैठता था ?

प्रश्न 4 धनराम किस दर्जे तक पढ़ाई कर सका?

प्रश्न 5 रमेश ने धनराम से मोहन के बारे में पूछने पर क्या असत्य बातें कहीं?

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 मोहन अनायास शिल्पकार टोले की ओर क्यों चला गया?

प्रश्न 2 वृद्ध वंशीधर के लिए रुद्रीपाठ करने जाना क्यों कठिन लग रहा था ?

प्रश्न 3 कहानी के उस प्रसंग का उल्लेख कीजिए जिसमें किताबों की विदया और धन चलाने की विदया का जिक्र आया है?

प्रश्न 4 धनराम मोहन को अपना प्रतिद्विन्द्वी क्यों नहीं समझता था?





प्रश्न 5 धनराम को मोहन के किस व्यवहार पर आश्चर्य होता है और क्यों?

प्रश्न 6 मोहन के लखनऊ आने के बाद के समय को लेखक ने उसके जीवन का एक नया अध्याय क्यों कहा है?

प्रश्न 7 वंशीधर ने पुश्तैनी धंधे को अपनाने के लिए मोहन को क्यों प्रेरित नहीं किया ?

प्रश्न 8 अध्यापक त्रिलोक सिंह का मोहन के प्रति क्या विचार थे?

स्पीति में बारिश

02



अचरज यह नहीं कि इतने कम लोग क्यों हैं? अचरज यह है कि इतने लोग भी कैसे बसे हुए हैं? मैंने जब भी स्पीति की विपत्ति बताई है तो लोगों ने यही पूछा कि आखिर तब लोग वहां रहते क्यों हैं? आठ नौ महीने शेष दुनिया से कटे हुए हैं। ठंड में ठिठुर रहे हैं। सिर्फ एक फसल उगाते हैं। लकड़ी भी नहीं है, कि घर गर्म कर सके। वृत्ति नहीं है। फिर क्यों रहते हैं? क्या अपने धर्म की रक्षा के लिए रहते हैं? अपनी जन्मभूमि के ममत्व के कारण रहते हैं? या इस मजबूरी में रहते हैं कि कहीं और जा नहीं सकते? कहां जाएं? या फिर और बातों के साथ—साथ यह सब कारण हैं? मैं नहीं जानता मैं तो इतना ही देखता हूँ कि यहां रह रहे हैं इसीलिए रह रहे हैं कोई तर्क नहीं है। तर्क से हम किसी चीज को भले सिद्ध कर सके, स्पीति में रहने को नहीं सिद्ध कर सकते। लेकिन तर्क का इतना मोह क्यों? ज्यादा करके संसार और निर्वाण अतर्क्य हैं। तर्क के परे है।

प्रश्न 1 स्पीति में कौन-कौन सी कठिनाइयां हैं?

प्रश्न 2 लेखक को इस स्पीति में लोगों के रहने पर आश्चर्य क्यों होता है?

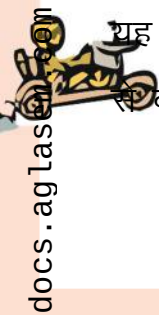
प्रश्न 3 संसार और निर्वाण तर्क से परे क्यों है?



02

मैं ऊंचाई की माप के चक्कर में नहीं हूँ। न इनसे होड़ लगाने की पक्ष में हूँ। वह एक बार लोसर में जो कर लिया सो बस है। इन ऊंचायों से होड़ लगाना मृत्यु है। हाँ कभी-कभी उनका मान — मर्दन करना मर्द और औरत की शान है। मैं सोचता हूँ कि देश और दुनिया के मैदानों से और पहाड़ों से युवक-युवतियाँ आए और पहले तो स्वयं अपने अहंकार को गलाएं—फिर इन चोटियों के अहंकार को चूर करें। उस आनंद का अनुभव करें जो साहस और कूवत से यौवन में ही प्राप्त होता है। अहंकार का ही मामला नहीं है। ये माने की चोटियाँ बूढ़े लमाओं के जाप से उदास हो गई है। युवक — युवतियाँ किलोल करें तो

यह भी हर्षित हो। अभी तो इन पर स्पीति का आर्तनाद जमा हुआ है। वह इस युवा अट्टाहस की गरमी से कुछ तो पिघले। यह एक युवा नियंत्रण है।





प्रश्न 1 लेखक क्या नहीं चाहता तथा क्यों?

प्रश्न 2 लेखक युवक-युवतियों को यह क्यों बुलाना चाहते हैं?

प्रश्न 3 माने की चोटियां उदास क्यों हो गई है

03

यह पावस यहां नहीं पहुँचता है। कालिदास की वर्षा की शोभा विध्यांचल में है। हिमाचल की इन मध्य की घाटियों में नहीं है। मैं नहीं जानता कि इसका लालित्य लाहुल – स्पीति के नर नारी समझ भी पाएंगे या नहीं वर्षा उनके संवेदन का अंग नहीं है वह यह जानते नहीं है कि बरसात में नदियां बहती है। बादल बरसते मस्त हाथी चिघाड़ते हैं जंगल हरे भरे हो जाते हैं अपने प्यारों से बिछड़ी हुई स्त्रियां रोती कलपती है मोर नाचते हैं और बंदर चुप मानकर गुफाओं में जा छिपते हैं। अगर कालिदास यहां आकर कहे कि अपने बहुत से सुंदर गुणों से सुहानी लगने वाली स्त्रियों का जी खिलाने वाली पेड़ों की टहनियों और बेलों की सच्ची सखी तथा सभी जीवों का प्राण बनी हुई वर्षा ऋतु आपके मन की सब साधे पूरी करें तो शायद स्पीति के नर – नारी यही पूछेंगे कि यह देवता कौन है? कहां रहता है? यहां क्यों नहीं आता? स्पीति में कभी-कभी बारिश होती है। वर्षा ऋतु यहां मन की साध पूरी नहीं करती। धरती सुखी टंडी और वंध्या रहती है।

प्रश्न 1 कालिदास ने वर्षा ऋतु का किस प्रकार गुणगान किया है?

प्रश्न 2 स्थिति में पावस क्यों नहीं आता?

प्रश्न 3 लेखक ने किस देवता का वर्णन किया है?

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न (1) स्थिति ब्रिटिश शासन के अधीन कब आया?

प्रश्न (2) मध्य हिमालय की जो श्रेणी उत्तर में स्पीति को घेरे हुए हैं उसका क्या नाम है?

प्रश्न (3) मध्य हिमालय की जो श्रेणी दक्षिण में है उसे कौन सी श्रेणी कहते हैं?

प्रश्न (4) बारालाचा दर्रे की अनुमानित ऊंचाई कितनी है?

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 इतिहास में स्पीति का वर्णन नहीं मिलता क्यों?

प्रश्न 2 स्पीति के लोग जीवन यापन के लिए किन-किन कठिनाइयों का सामना करते हैं?

प्रश्न 3 “वर्षा यहाँ एक घटना है एक सुखद संयोग है” लेखक ने ऐसा क्यों कहा है?

प्रश्न 4 स्पीति अन्य पर्वतीय स्थलों से किस प्रकार भिन्न है?





रजनी

01

एकाएक जोश में आकर आप भी महसूस करते हैं ना ऐसा? तो फिर साथ दीजिए हमारा अखबार यदि किसी ईश्यू को उठा ले और लगातार उस पर चोट करते रहे तो फिर वह थोड़े से लोगों की बात नहीं रह जाती सबकी बन जाती है। आंख मूंदकर नहीं रह सकता फिर कोई उससे। आप सोचिए जरा अगर इसके खिलाफ कोई नियम बनता है तो (आवेश के मारे जैसे बोला नहीं जा रहा है) कितने पेरेंट्स को राहत मिलेगी कितने बच्चों का भविष्य सुधर जाएगा उन्हें अपनी मेहनत का फल मिलेगा. मां बाप के पैसों का नहीं शिक्षा के नाम पर बचपन से ही उनके दिमाग में यह तो नहीं भरेगा कि पैसा ही सब कुछ है

प्रश्न 1 ये संवाद किसका है? व क्या प्रेरणा देता है

प्रश्न 2 प्रस्तुत गद्यांश में वक्ता संपादक महोदय को ट्यूशन रोकने के कितने लाभ गिनवाती है?

प्रश्न 3 अखबार की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

02

कुछ नहीं कर सकते आप ? तो मेहरबानी करके यह कुर्सी छोड़ दीजिए। क्योंकि यहां पर कुछ कर सकने वाला आदमी चाहिए। जो ट्यूशन के नाम पर चलने वाली धांधलीयो को रोक सके। मासूम और बेगुनाह बच्चों को ऐसे टीचर्स के शिकंजो से बचा सके जो ट्यूशन ना लेने पर बच्चों के नंबर काट लेते हैं और आप हैं कि कापियां ना दिखाने के नियम से उनके सारे गुनाह ढक देते हैं

प्रश्न 1 रजनी ने हेड मास्टर से कुर्सी छोड़ने की बात क्यों की?

प्रश्न 2 ट्यूशन की प्रवृत्ति को रोकने हेतु हेड मास्टर क्या कर सकता है?

प्रश्न 3 कापिया ना दिखाने का नियम कहां तक उचित है?

03

हां! काफी लौटाते हुए कहा था कि तुमने किया तो अच्छा है पर यह तो हाफ़ ईयरली हैं बहुत आसान पेपर होता है इसका तो! अब अगर ईयरली में भी पूरे नंबर लेने हैं तो तुरंत ट्यूशन लेना शुरू कर दो वरना रह जाओगे साथ लड़कों ने तो शुरू भी कर दिया था पर मैंने जब मम्मी पापा से कहा हमेशा बस एक ही जवाब (मम्मी की नकल उतारते हुए) मैथ्स में तो तू वैसे ही बहुत अच्छा है क्या करेगा ट्यूशन लेकर? देख लिया अब? सिक्स पोजीशन आई है मेरी जो आज तक कभी नहीं आई थी

प्रश्न 1 अमित से गणित के अध्यापक ने क्या कहा?

प्रश्न 2 अमित के कम अंक आने के लिए सचमुच में क्या उसकी मां दोषी थी ?

प्रश्न 3 अमित अपने कम अंक के लिए किसे दोष देता है? और क्यों?



विषय आधारित प्रश्न

प्रश्न 1 जब किसी का बच्चा कमजोर होता है तभी उसके मां-बाप ट्यूशन लगवाते हैं। अगर लगे कि कोई टीचर लूट रहा है तो उस टीचर से ना ले ट्यूशन, किसी और के पास चले जाएं यह कोई मजबूरी तो नहीं – प्रसंग का उल्लेख कर बताइए कि यह संवाद आपको किस सीमा तक सही या गलत लगता है तर्क दीजिए

प्रश्न 2 तो एक और आंदोलन का मतलब मिल गया – फुसफुसाकर कही गई बात ।

(क) किसने किस प्रसंग में कहीं?

(ख) इससे कहने वाले की किस मानसिकता का पता चलता है ?

प्रश्न 3 रजनी धारावाहिक की इस कड़ी के मुख्य समस्या क्या है? क्या होता अगर अमित का पचा सचमुच खराब होता संपादक रजनी का साथ ना देता ?



अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 लीला ने कौन सी मिठाई मंगवाकर रखी है ?

प्रश्न 2 अमित किस कक्षा का विद्यार्थी है ?

प्रश्न 3 रजनी ने किससे कहा कि कितने देर और बैठना होगा?

प्रश्न 4 25 तारीख को किसकी मीटिंग करने के बाद की गई है?

प्रश्न 5 डायरेक्टर ऑफ एजुकेशन के ऑफिस में एक आदमी ने अपने नाम की स्लिप के नीचे क्या रख कर भेजता है?



भारत

01

मैं उन्हें सोवियत यूनियन में होने वाली अचरज भरी तब्दीलियों का हाल भी बताता और कहता कि अमरिका ने कैसी तरक्की की है यह काम आसान न था लेकिन जैसे मैंने समझ रखा था वैसा मुश्किल भी ना था इसकी वजह यह थी कि हमारे पुराने महाकाव्यों ने और पुराणों की कथा कहानियों ने जिन्हें वे खूब जानते थे उन्हें इस देश की कल्पना करा दी थी और हमेशा कुछ लोग ऐसे मिल जाते थे जिन्होंने हमारे बड़े-बड़े तीर्थों की यात्रा कर रखी थी जो हिंदुस्तान के चारों कोनों पर है। या हमें पुराने सिपाही मिल जाते जिन्होंने पिछले बड़ी जंग में या और घाव के सिलसिले में ही विदेशों वे नौकरियां की थी सन तीस के बाद जो आर्थिक मंदी पैदा हुई थी उसकी वजह से दूसरे मुल्कों के बारे में मेरे हवाले उनकी समझ में आ जाते थे

प्रश्न 1 भारतवासी पूरे देश की बातें कैसे समझ पाते थे?

प्रश्न 2 किसानों को पूरे विश्व की बातें समझाने में किन अनुभवों ने सहयोग दिया?

प्रश्न 3 लेखक को कौन सा काम मुश्किल लगता था?





02



कभी ऐसा भी होता कि जब मैं किसी जलसे में पहुंचता, तो मेरा स्वागत “भारत माता की जय” इस नारे से जोर के साथ किया जाता मैं लोगों से अचानक पूछ बैठता की इस नारे से उनका क्या मतलब है? या भारत माता कौन है? जिसकी वह जय चाहते हैं। मेरे सवाल में उन्हें कुतूहल और ताज्जुब होता और कुछ जवाब ना बन पड़ने पर वे एक दूसरे की तरफ या मेरी तरफ देखने लग जाते मैं सवाल करता ही रहता। आखिर एक हट्टे-कट्टे जाट ने जो अनगिनत पीढ़ियों से किसानी करता आया था जवाब दिया कि भारत माता से उनका मतलब धरती से है

प्रश्न 1 लेखक के सवालों के प्रति जलसों में उपस्थित लोगों की कैसी प्रतिक्रिया होती थी?

प्रश्न 2 लेखक लोगों की प्रतिक्रिया या जवाब के अभाव में भी प्रश्न पर प्रश्न क्यों करता था?

प्रश्न 3 आखिर में हट्टे कट्टे जाट ने लेखक के प्रश्नों के जवाब में क्या उत्तर दिया? और क्यों?



03

कौन सी धरती खास उनके गांव की धरती या जिले की या सूखे की यह सारे हिंदुस्तान की धरती से उनका मतलब है इस तरह सवाल-जवाब चलते रहते यहां तक कि वे उठकर मुझसे कहने लगते कि मैं ही बताऊं मैं इसकी कोशिश करता और बताता कि हिंदुस्तान में सब कुछ है जिसे उन्होंने समझ रखा है लेकिन वह इससे भी बहुत ज्यादा है हिंदुस्तान के नदी और पहाड़ जंगल और खेत जो हमें अन्न देते हैं यह सभी हमें अजीज है लेकिन आखिरकार जिनकी गिनती है वह हिंदुस्तान के लोग उनके और मेरे जैसे लोग जो इस सारे देश में फैले हुए हैं भारत माता दरअसल यही करोड़ों लोग हैं और भारत माता की जय से मतलब हुआ इन लोगों की जय का। मैं उनसे कहता कि तुम इस भारत माता के अंश, हो एक तरफ से तुम ही भारत माता हो और जैसे-जैसे यह विचार उनके मन में बैठते उनकी आंखों में चमक आ जाती इस तरह मानो उन्होंने कोई बड़ी खोज कर ली।



प्रश्न 1 लेखक किस धरती के बारे में सवाल करता था और किन से?

प्रश्न 2 लेखक ने हिंदुस्तान का विस्तृत रूप लोगों को किस तरह समझाया?

प्रश्न 3 भारत माता से लेखक का यथार्थ अभिप्राय क्या है?

विषय आधारित प्रश्न

प्रश्न 1 आपकी दृष्टि में भारत माता और हिंदुस्तान की क्या संकल्पना है? लिखिए।

प्रश्न 2 हमारे महाकाव्य और पुराणों ने भारतीयों को पूरे देश से जोड़ा हुआ है सिद्ध कीजिए

प्रश्न 3 भारत के किसानों की कौन सी समस्याएं पूरे देश में एक समान है?

प्रश्न 4 लेखक गांव व शहरों में अपने भाषणों में क्या अंतर रखते थे?

प्रश्न 5 भारत माता के प्रति नेहरू जी की क्या अवधारणा थी?

प्रश्न 6 भारत के विकास को लेकर आप क्या सपने देखते हैं?





अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 किसान सामान्यतः भारत माता का क्या अर्थ लेते हैं?

प्रश्न 2 लेखक कहां से कहां तक की यात्रा करता है?

प्रश्न 3 अक्सर जब मैं एक जलसे से दूसरे जलसे में जाता होता यह कथन किसका है?

प्रश्न 4 भारत माता पाठ के लेखक कौन हैं?

प्रश्न 5 भारत की चर्चा नेहरू जी कब करते हैं?



आत्मा का ताप

01

मैंने धृष्टता से उन्हें बताया कि बिन मांगे मोती मिले मांगे मिले ना भीख! मेरे मन में शायद युवा मित्रों को यह संदेश देने की कामना है कि कुछ घटने की इंतजार में हाथ पर हाथ धरे ना बैठे रहो खुद कुछ करो। जरा देखिए अच्छे खासे संपन्न परिवारों के बच्चे काम नहीं कर रहे जबकि उनमें तमाम संभावनाएं हैं। और यहां हम बेचैनी से भरे काम किए जाते हैं। मैं बुखार से छटपटाता-सा, अपनी आत्मा, अपने चित्त को संतप्त किए रहता हूँ मैं कुछ ऐसी बात कह रहा हूँ जिसमें खामी लगती है यह बहुत गजब की बात नहीं है लेकिन मुझमें काम करने का संकल्प है। भगवत गीता कहती है, "जीवन में जो कुछ भी है, तनाव के कारण है।" बचपन जीवन का पहला चरण, एक जागृत है। लेकिन मेरे जीवन का बम्बई वाला दौर भी जागृति का चरण ही था। कई निजी मसले थे, जिन्हें सुलझाना था। मुझे आजीविका कमाना थी।

प्रश्न 1 लेखक युवा को क्या संदेश देता है?

प्रश्न 2 कर्म के संबंध में लेखक का क्या विचार है?

प्रश्न 3 लेखक ने बचपन को क्या कहा है और क्यों?



02

श्रीनगर की इस यात्रा में मेरी भेट प्रख्यात फ्रेंच फोटोग्राफर हेनरी कार्तीए-ब्रेसॉ से हुई। मेरे चित्र देखने के बाद उन्होंने जो टिप्पणी कि वह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण रही है उन्होंने कहा "तुम प्रतिभाशाली हो लेकिन प्रतिभाशाली युवा चित्रकारों को लेकर मैं संदेहशील हूँ। तुम्हारे चित्रों में रंग है भावना है लेकिन रचना नहीं है तुम्हें मालूम होना चाहिए कि चित्र इमारत कि ही तरह बनाया जाता है आधार न्यू दीवारें बीम छत और तब जाकर वह टिकता है मैं कहूंगा कि तुम से जा का काम ध्यान से देखो इन टिप्पणियों का मुझ पर गहरा प्रभाव रहा बम्बई लौटकर मैंने फ्रेंच सीखने के लिए अलयास फ्रांसे में दाखिला ले लिया फ्रेंच पेंटिंग में मेरी खासी रुचि थी लेकिन मैं समझना चाहता था कि चित्र में रचना या बनावट वास्तव में क्या होगी

प्रश्न 1 हेनरी कार्तीए-ब्रेसॉ कौन थे? लेखक से उनकी मुलाकात कहां हुई थी?

प्रश्न 2 लेखक की चित्रकला में क्या कमी थी उसे दूर करने के लिए उसने क्या किया?

प्रश्न 3 लेखक को श्रीनगर यात्रा से क्या प्रेरणा मिली?





मैं अपने कुटुंब के युवा लोगों से कहता रहता हूँ की तुम्हें सब कुछ मिल सकता है बस तुम्हें मेहनत करनी होगी। चित्रकला व्यवसाय नहीं अंतर आत्मा की पुकार है। इसे अपना सर्वस्व देकर ही कुछ ठोस परिणाम मिल पाते हैं केवल जहरा जाफरी को कार्य करने की ऐसी लगन मिली वह पूरे समर्पण से दमोह शहर के आसपास के ग्रामीणों के साथ काम करती है। कल मैंने उन्हें फोन किया यह जानने के लिए कि वह दमोह में क्या कर रही है। उन्हें बड़ी खुशी हुई कि मुझे सूर्य प्रकाश (उस ग्रामीण स्त्री का पति जो अपने पति का नाम नहीं ले रही थी) का किस्सा याद है।

प्रश्न 1 लेखक अपने कुटुंब के युवाओं से क्या कहता रहता है?

प्रश्न 2 लेखक ने जहरा जाफरी की किस विशेषता का उल्लेख किया है?

प्रश्न 3 चित्रकला के बारे में लेखक के क्या विचार हैं?



विषय वस्तु पर आधारित प्रश्न

प्रश्न 1 मुंबई में रहकर कला के अध्ययन के लिए रजा ने क्या-क्या संघर्ष किए?

प्रश्न 2 सैयद हैदर रजा को आगे बढ़ाने में जलील और हुसैन ने किस प्रकार सहयोग किया?

प्रश्न 3 आत्मा का ताप पाठ का उद्देश्य क्या है?

प्रश्न 4 कला के बारे में रजा के विचारों पर प्रकाश डालिए?

प्रश्न 5 चित्रकला व्यवसाय नहीं अंतरात्मा की पुकार है इस कथन को वर्तमान व भविष्य के संदर्भ में बताइए।



प्रश्न 6 कश्मीर के प्रधानमंत्री ने लेखक को कैसे पत्र दिया था? उसका उसे क्या फायदा हुआ?



अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 श्रीनगर की यात्रा के दौरान लेखक की भेंट किससे हुई?

प्रश्न 2 रजा के पसंदीदा फ्रेंच कलाकार कौन थे?

प्रश्न 3 मुंबई लौटकर लेखक ने फ्रेंच सीखने के लिए कहां दाखिला लिया?

प्रश्न 4 प्रोफेसर लैंगहेमर कौन थे?

प्रश्न 5 रजा को कहां नौकरी मिली?

प्रश्न 6 दफ्तर में काम करने के बाद रजा कहां जाते थे?





वितान

1. भारतीय गायिकाओं में बेजोड़ रूलता मंगेशकर

- 1-लता की गायकी की विशेषताओं को उदाहरण सहित लिखिए?
- 2-शास्त्रीय संगीत और चित्रपट संगीत में अंतर स्पष्ट कीजिए?
- 3- लता को चित्रपट संगीत का समग्री कहा जाता है सिद्ध कीजिए ?
- 4-लता की गायकी ने लेखक को किस प्रकार प्रभावित किया ?
- 5-भारतीय गायिकाओं में बेजोड़ लता मंगेशकर पाठ का उद्देश्य बताइए ?
- 6-लता मंगेशकर एवं नूरजहां के स्वरों में मौलिक अंतर लिखिए?



2. राजस्थान की रजत बुंदे –

- प्रश्न 1-कुँए को सकरा व उसके मुँह को छोटा रखने के कारणों को बताइए।
- प्रश्न 2-मरुभूमि के रेत की क्या विशेषता है?
- प्रश्न 3- कुँई की खुदाई फावड़े से नहीं किया जा सकता? स्पष्ट कीजिए ?
- प्रश्न 4-वर्षा जल को मरु क्षेत्र में किस प्रकार मापा जाता है?
- प्रश्न 5-निजी होते हुए भी सार्वजनिक क्षेत्र में कुईयो पर ग्राम समाज का नियंत्रण रहता है। लेखक के विचार को स्पष्ट कीजिए ?
- प्रश्न 6-टिप्पणी लिखिए – (1) पालरपानी (2) पातालपानी (3) रेजाणीपानी



3. आलो-आधारी

- प्रश्न 1-बेबी हालदार ने अपने जीवन संघर्ष को कैसे लिखना प्रारंभ किया।
- प्रश्न 2-आलो आँधरि के आधार पर घरों में काम करने वालों के जीवन की जटिलताओं व समस्याओं को लिखिए ?
- प्रश्न 3-बेबी की जिंदगी में तातुंश ना आया होता तो उसका जीवन कैसा होता? कल्पना कर अपने विचारों को लिखिए?
- प्रश्न 4-तातुंश ने बेबी के बच्चों को पढ़ने लिखने में मदद किया- अगर मदद ना करते तो बच्चों का क्या होता लिखिए?
- प्रश्न 5-आलो आँधरि बेबी की व्यक्तिगत समस्याओं के साथ कई सामाजिक मुद्दों को समेटे हैं –अपने विचार प्रकट कीजिए ?
- प्रश्न 6-लेखिका नाम सहित रचना को देखा तो उसकी मन स्थिति कैसी थी?





4. भारतीय कलाएं

- 1—कला और भाषा के अन्तर संबंध को समझाइए?
- 2— भारतीय कलाओं व भारतीय संस्कृति में किस तरह संबंध है। स्पष्ट कीजिए?
- 3—शास्त्रीय कलाओं में जनजातीय लोक कलाएं हैं आपके विचार से प्रकट कीजिए?
- 4— भीम बेटका की गुफाओं के बारे में प्रकाश डालिए?
- 5— भारतीय कलाओं का विषय मुरीद है स्पष्ट कीजिए ?
- 6—भारत के विभिन्न प्रांतों के लोगनृत्यों के विषय में बताइए ?



5. संत शिरोमणि गुरु घासीदास

- 1—समय का खेल अजीब है राजा को रंक और रंक को राजा बना देता है तर्क सहित लिखिए
- 2—होनहार बिरवान के होत चिकने पात घासीदास जी के संबंध में उदाहरण देकर समझाइए ?
- 3—सात रावटी से क्या तात्पर्य है? सात रावटी स्थलों को बताइए ?
- 4—गुरु घासीदास जी के उपदेशों की विशेषताओं को लिखिए?
- 5—घासीदास जी के जन्म समय तत्कालीन परिस्थितियां कैसी थी ?
- 6—समाज के नशाखोरी और जुए की कुप्रथा व्याप्त है समस्या के समाधान के लिए आप क्या करेंगे?



6. बेजुबान

- प्रश्न 1—बस्तर के वनवासी चुप क्यों रहते हैं ?
- प्रश्न 2—आदमी से डर लगता है जंगल से नहीं। हम तो यही मरेंगे नहीं हटेंगे।—उपर्युक्त कथनों में निहित भावों को स्पष्ट कीजिए ?
- प्रश्न 3—आदिवासियों के रीति—रिवाज खान—पान जीवन शैली आदि का वर्णन कीजिए।
- प्रश्न 4—आदिवासियों का जंगल से गहरा लगाव रहता है। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
- प्रश्न 5—निबंध में जंगल का क्या महत्व है। जंगल के बिना आदिवासियों का जीवन कैसे बीतेगा ?
- प्रश्न 6—सड़कों का निर्माण विकास का प्रतीक है। आदिवासियों ने क्यों कहा कि सड़क क्या आयी हमारी तो मुसीबत ही आगयी।

